RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 172 , मंगलवार, 04 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बांका जिला परिषद कार्यालय में 1.26 लाख रुपये रिश्वत लेते दो गिरफ्तार, निगरानी ब्यूरो की ... 03

ब्लाइंड वॉक से गूंजा जमुई, अंगदान का दिया संदेश 04

पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस में नितीा गोयल का दिलकश अंदाज; तस्वीरें देख... 07

संक्षिप्त समाचार

पंजाब चुनाव से पहले बीजेपी की नई टीम का ऐलान

- कांग्रेस-आप और अकाली दल से आए नेताओं को अहम जिम्मेदारियां

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को तेज करते हुए बीजेपी ने पनी नई प्रदेश संगठनात्मक टीम की घोषणा कर दी। प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो ने नई कार्यकारिणी का ऐलान किया। इस कार्यकारिणी में 12 उपाध्यक्ष, पांच महासचिव और 12 सचिव नियुक्त किए गए हैं। खास बात यह रही कि कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी छोड़कर हाल ही में बीजेपी में शामिल हुए कई नेताओं को संगठन में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नई टीम में बनाए गए 12 प्रदेश उपाध्यक्षों में से 6 ऐसे नेता हैं जो पहले अन्य राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुके हैं। इनमें कांग्रेस के पूर्व विधायक अश्वनी सेखरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व

सचिव तेजिंदर सिंह बिट्टू, पूर्व सांसद सुशील रिंकू, कांग्रेस के पूर्व पदाधिकारी गेज्जा राम वाल्मीकि, शिरोमणि अकाली दल के पूर्व नेता रवि करण सिंह काहलों और रंजीत सिंह गिल शामिल हैं। सुशील रिंकू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। इसके अलावा बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं सुरजीत कुमार ज्याणी, राकेश राठौर, सुभाष शर्मा, मंजीत सिंह राय, जैस्मीन संधावालिया और जतिंदर मित्तल को भी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है।

पांच महासचिव भी किए नियुक्त- पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए पांच महासचिव भी नियुक्त किए हैं। इनमें अनिल सरीन, राजेश बघा, रजनीश धीमान, जीवन गर्ग और परमिंदर सिंह बराड़ शामिल हैं। परमिंदर सिंह बराड़ पहले शिरोमणि अकाली दल में थे और बाद में बीजेपी में शामिल हुए थे। प्रदेश सचिवों की सूची में भी कई नए और अनुभवी चेहरों को जगह मिली है। 12 सचिवों में पूर्व विधायक मंजीत सिंह मन्ना और मंगत राय बंसल समेत पांच ऐसे नेता शामिल हैं, जिन्होंने अन्य दलों से बीजेपी का दामन थामा था। संगठन के अन्य महत्वपूर्ण पदों पर गुरदेव शर्मा को प्रदेश कोषाध्यक्ष, सुखविंदर सिंह गोल्डी को सह-कोषाध्यक्ष और सुखविंदर सिंह परमार को कार्यालय सचिव नियुक्त किया गया है। बीजेपी ने अपने विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों के नामों की भी घोषणा की है।

जहां भिड़े थे भारतीय-चीनी सैनिक अब वहां पहुंचेगी रेल

बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इस कड़ी में उत्तर बंगाल क्षेत्र में चालसा के पास स्थित खुनिया मोड़ से जलढाका रेलवे प्रोजेक्ट के जरिए भारत-चीन-भूटान ट्राई-जंक्शन के पास बॉर्डर तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना बना रहा है। यह प्रोजेक्ट नॉर्थ बंगाल में 17 किलोमीटर का नया स्ट्रेटेजिक रेल लिंक है, जिसकी अनुमानित लागत 272 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस प्रोजेक्ट का मकसद डुआर्स इलाके में टूरिज्म को बढ़ावा देना है।

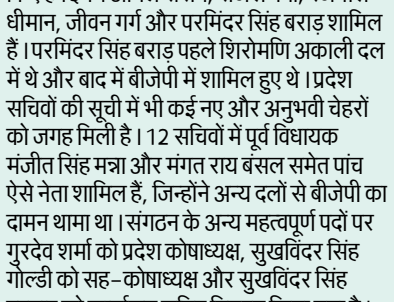

प्रोजेक्ट में खर्च होंगे 272 करोड़ रुपये

सिलीगुड़ी के डीएम राजू बिस्टा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि रेल मंत्रालय ने जलढाका तक 17 किमी की नई लाइन के लिए लगभग 272 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह रास्ता चालसा के पास खुनिया मोड़ से शुरू होगा और जलपाईगुड़ी और कलिम्पोंग फॉरेस्ट डिवीजन से होकर गुजरेगा। बता दें, जलढाका नदी के रास्ते बनने वाली रेलवे लाइन बहुत अहम है, क्योंकि यह नदी एक ऐसी झील से निकलती है जो भारत, भूटान और चीन के बीच डोकलाम ट्राई-जंक्शन बॉर्डर के पास है। इस रेलवे प्रोजेक्ट का ऐलान यह दिखाता है कि भारत इस इलाके में अपना इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत कर रहा है। इंडियन रेलवे ने चलसा (जलपाईगुड़ी) से बॉर्डर इलाके की ओर एक रणनीतिक लाइन बनाने का प्रस्ताव दिया है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन में स्टूडेंट्स पर नहीं होगा केस

- सुप्रीम कोर्ट में मोदी सरकार ने कर दिया बड़ा दावा
- कहा-2700 अपराधियों पर कायम रहेगी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि नीट पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सोमवार को कहा, 'सरकार अपने वादे पर कायम है। छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर नहीं होगी।' मेहता ने ये भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान गंभीर अपराधों को लेकर जिन 2700 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज हुई हैं, इन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मसले पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया था। उनकी 3 मांगें थी, जो सरकार ने मान ली

थीं। इनमें एक मांग यह भी थी कि सरकार विरोध प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी। मामले पर अब 18 अगस्त को सुनवाई होगी।

जिन जवानों ने सख्ती की, उन्हें न बचाएं- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है। वकील वृंदा ग्रोवर ने पूछा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद्द की जाएंगी। इस पर मेहता ने कहा कि कानूनी तौर पर जो भी तरीका सही हो, सरकार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट का फोकस 2 मुद्दों पर

बेंच प्रदर्शनकारियों और पैलेट गन से घायलों के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में एक समिति बना सकती है। कोर्ट यह भी पता लगाने की कोशिश कर सकता है कि पुलिसकर्मियों पर हमले छात्रों ने किए थे या छात्रों की भीड़ में घुस आए शरारती तत्वों ने। यह सब जांच की जाएगी।

बांकीपुर-दतिया चुनाव में झटका

बीजेपी को लगा फटका

- विधानसभा उपचुनाव में जनता ने दिया बड़ा संदेश
- बिहार में नितिन नवीन की सीट पर भाजपा की हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की बांकीपुर सीट (पटना) पर बीजेपी को तगड़ा झटका लगा है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई सीट पर अब जन सुराज ने कब्जा कर लिया है। प्रशांत किशोर ने बीजेपी के गढ़ में नीरज कुमार सिन्हा को करारी शिकस्त दे डाली है। इस सीट पर लंबे समय से बीजेपी का वर्चस्व रहा था। लेकिन इस बार पीके के मैदान में उतरने के बाद से सारा पासा ही पलट गया। बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में एमपी के दतिया में कांग्रेस, गुजरात के मंजलपुर में भाजपा जीत गई है। एमपी के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए। वहीं गुजरात के मंजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

पहली ही परीक्षा में फेल हुए हेमंत खंडेलवाल

एमपी में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत खंडेलवाल की पहली बड़ी चुनावी परीक्षा दतिया विधानसभा उपचुनाव मानी जा रही थी। इस चुनाव में भाजपा की हार के बाद संगठन की रणनीति, टिकट चयन और नेतृत्व पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि सरकार के बहुमत पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन राजनीतिक संदेश को लेकर यह परिणाम अहम माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने हेमंत खंडेलवाल के कार्यकाल में दतिया विधानसभा उपचुनाव पहला बड़ा प्रत्यक्ष चुनाव था। इस चुनाव को संगठन और सरकार, दोनों के लिए प्रतिष्ठा का मुकाबला माना जा रहा था। मतगणना के रुझानों और परिणामों में कांग्रेस प्रत्याशी बढ़त बनाते हुए जीते।

टिकट बदलने का फैसला पड़ा भारी

दतिया में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला चुनाव का सबसे बड़ा दांव साबित हुआ। चुनाव प्रचार के दौरान संगठन ने नाराज कार्यकर्ताओं और समर्थकों को मनाने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय स्तर पर असंतोष पूरी तरह खत्म नहीं हो सका। भाजपा की हार के बाद विपक्ष और राजनीतिक हलकों में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की चुनावी रणनीति पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी के भीतर भी हार के कारणों को लेकर मंथन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक इसे संगठन की रणनीति और स्थानीय समीकरणों के संदर्भ में महत्वपूर्ण परिणाम मान रहे हैं।

हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे देश के शिवालय

- सावन के पहले सोमवार को मंदिरों में लगा भक्तों का रेला
- हरिद्वार में पहले सावन सोमवार पर 1 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे
- उज्जैन में 1 लाख भक्तों ने किए दर्शन, देवघर में लंबी लाइन

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार में कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से सावन के पहले सोमवार दोपहर 12 बजे तक करीब 1 करोड़ कांवड़िए पहुंच चुके हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में अब तक 1.10 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, झारखंड के देवघर के बैद्यनाथ मंदिर में भक्तों की 5 किमी लंबी लाइन लगी है। उत्तर प्रदेश के काशी विश्वनाथ मंदिर में अब तक 2 लाख से ज्यादा भक्त दर्शन कर चुके हैं। कांवड़ियों और भक्तों की 3 किलोमीटर लंबी लाइन लगी है। जलाभिषेक के लिए भक्तों को केवल 1 सेकेंड का समय मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में सावन के पहले सोमवार पर हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। भगवान शिव के दर्शन और पूजन के लिए सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। केदारनाथ में सावन के तीसरे सोमवार पर 1,500 से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। इससे पहले यहां रोजाना करीब 1,000 श्रद्धालु ही पहुंच रहे थे। उत्तराखंड में पूर्णिमांत पंचांग के अनुसार आज सावन का तीसरा सोमवार है।

- **अलवर में पांडवों का लाया शिवलिंग, इसे औरंगजेब भी नहीं तोड़ पाया-** मान्यता है कि इस मंदिर के शिवलिंग की स्थापना पांडवों ने द्वापर युग में की थी। काशी से शिवलिंग लाकर इस मंदिर में स्थापित किया गया था। तभी से मंदिर में शिवलिंग की पूजा होती है। पांडवों के समय से ही मंदिर में अखंड ज्योत जलती है। सावन के पहले सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। मंदिर को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। मंदिर के दरवाजे खुलने के बाद श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करने से पहले मंगला आरती में हिस्सा लिया। वाराणसी डिवीजन के डिवीजनल कमिश्नर और मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं।

दो दिन की रणनीतिक बैठक करेगी कॉकरोच जनता पार्टी

- कहा-राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे, दीपके बोले-स्कॉलरशिप के पैसों से अमेरिका गया था

मुंबई (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी 5 अगस्त से छत्रपति संभाजीनगर में दो दिन की रणनीति बैठक करेगी। इस बैठक में पार्टी के संस्थापक, प्रवक्ता और संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। पार्टी ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएगी। बैठक के बाद सीजेपी देशभर में अपने युवाओं की जरूरतों को समझने के लिए लिसनिंग टूर करेगी। पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से स्कॉलरशिप मिली थी और बाकी पैसों के लिए लोन लिया था, जो अभी चुकाना बाकी है। इससे पहले, सूरत के एक सीजेपी कार्यकर्ता

ने उनके पिता की संपत्ति और फंड की जांच की मांग की थी। और सवाल उठाए थे कि दीपके के पास अमेरिका जाकर पढ़ाई करने के पैसे कहां से आए।

दीपके बोले-जंतर-मंतर पर घुसपैठिए घुसे- अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शन में बाहरी लोगों ने घुसपैठ की थी, जिसके कारण 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिंसा हुई। उन्होंने दावा किया कि विरोध को बदनाम करने के लिए बाहर से लोग भेजे गए थे। इन लोगों की दिल्ली पुलिस के साथ मिलीभगत थी।

ईरान में भारत के अगले राजदूत होंगे विश्वेश नेगी

- 2002 बैच के आईएफएस अधिकारी का दमदार रहा है कैरियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे लगातार संकट के बीच विश्वेश नेगी को ईरान में भारत के अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विश्वेश नेगी वर्तमान में विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव के रूप में सेवा दे रहे थे। विश्वेश नेगी 2002 बैच के आईएफएस

अधिकारी हैं। यह नियुक्ति पश्चिम एशिया के साथ भारत के राजनयिक संबंधों को मजबूत करने पर सरकार के लगातार ध्यान को दर्शाती है; यह क्षेत्र रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में संकट की स्थिति बनी हुई है। इंडियन फॉरेन सर्विस 2002 बैच के सीनियर अधिकारी विश्वेश नेगी अपनी नई भूमिका में डिप्लोमैटिक और एडमिनिस्ट्रेटिव का लंबा अनुभव लेकर आए हैं। विदेश मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी के तौर पर, उन्होंने विदेश नीति से जुड़े अहम मामलों और द्विपक्षीय संबंधों को संभालने में कई बार अहम भूमिका निभाई है। विश्वेश नेगी 2022 में भारत सरकार के रक्षा विभाग में सचिव के तौर पर भी सेवा दे चुके हैं।

महिला पहलवान यौन शोषण केस में बृजभूषण सिंह बरी

- बोले-होइहि सोइ जो राम रचि राखा, समर्थकों ने फूल बरसाए
- विनेश फोगाट बोलीं-मैंने उम्मीद नहीं छोड़ी, हाईकोर्ट जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया। सोमवार को फैसले के वक्त पूर्व सांसद बृजभूषण और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व सचिव विनोद तोमर कोर्ट में मौजूद रहे। फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा- जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा। कोर्ट के फैसले के बाद पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में

फैसले को चुनौती देंगे। यौन शोषण का यह मामला जनवरी 2023 में सामने आया था। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत कई पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

मामले में 127 सुनवाई हुईं 32 गवाहों के बयान दर्ज हुए

2 जुलाई, 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुईं। 32 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। बृजभूषण 20 जुलाई, 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई, 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था। कोर्ट से बरी का मतलब है कि कोर्ट में अभियुक्त के खिलाफ आरोप साबित नहीं पाए, इसलिए उसे सजा नहीं दी गई। इसका यह मतलब नहीं होता कि वह दोषमुक्त हो गया है। पीड़ित महिला पहलवान इस मामले में हाईकोर्ट में अपील कर सकती हैं।

पंजाब की तर्ज पर बंगाल में थी हमले की साजिश

संदिग्ध जैश आतंकी हमीम मंडल से पूछताछ में आया पाक कनेक्शन

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार संदिग्ध जैश आतंकी हमीम मंडल से पूछताछ में कई चौंकाने वाले इनपुट सामने आए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों के निर्देश पर पंजाब की तर्ज पर बंगाल में पुलिस अधिकारियों पर जानलेवा हमला करने की साजिश

रची जा रही थी। जांचकर्ता यह भी पता लगाने में जुटे हैं कि क्या इस साजिश को स्वतंत्रता दिवस के आसपास अंजाम देने की योजना थी। जांच में सामने आया है कि हमीम मंडल कथित रूप से शहजाद भट्टी गिरोह के साथ-साथ तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान (टीटीएच) से भी जुड़ा था। एजेंसियों का दावा है कि कुछ पुलिस अधिकारियों को संभावित लक्ष्य के रूप में चिन्हित किया गया था। साथ ही राज्य के कम से कम छह मंत्रियों और उनके स्वजन को हनीट्रैप में फंसाने की जिम्मेदारी हमीम की महिला मित्र अर्पिता सरकार को सौंपी गई थी।

पाकिस्तान से मिल रहे थे निर्देश- जांच एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान से इंटरनेट मीडिया के माध्यम से हथियार जुटाने, हमले की तैयारी और प्रचार गतिविधियों के संबंध में निर्देश भेजे जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि अलग-अलग गतिविधियों के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े नेटवर्क द्वारा धन उपलब्ध कराया जा रहा था।

संक्षिप्त समाचार

महात्मा गांधी सेतु के पास राहगीरों से लूटपाट की योजना

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने महात्मा गांधी सेतु के पास लूट की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। गंगाब्रिज थाना पुलिस ने पुरानी टोल प्लाजा के समीप छापेमारी कर एक बदमाश को देसी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर राहगीरों से लूटपाट की योजना बनाने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त को गंगाब्रिज थाना को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि महात्मा गांधी सेतु के पुरानी टोल प्लाजा के समीप चकजलाल स्थित कर्मयोगी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड के पीछे झाड़ियों में दो युवक हथियार के साथ किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की नीयत से छिपे हुए हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देश पर सदर-01 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने दीपक कुमार उर्फ बाबा उर्फ मनीष कुमार, पिता रमेश कुमार ठाकुर उर्फ राजू बाबा, निवासी जदुआ, थाना नगर, जिला वैशाली को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक लोडेड देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने साथी के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग के सुनसान इलाकों में आने-जाने वाले राहगीरों को निशाना बनाकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता था। इसी उद्देश्य से वह हथियार लेकर मौके पर छिपा हुआ था। इस संबंध में गंगाब्रिज थाना में आर्म्स एक्ट सहित अन्य सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, उसका एक साथी मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में गंभीर एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ प्रिवेंटिव पुलिसिंग अभियान पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

वैशाली में बंद घर में 10-15 लाख की चोरी

हाजीपुर। वैशाली के बरांटी थाना क्षेत्र में लाखों रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी शशि भूषण कुमार ने थाना अध्यक्ष को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शशि भूषण कुमार ने अपने आवेदन में बताया कि वे दयालपुर गांव के रहने वाले हैं। उनके ससुराल काशीपुर चकबीबी गांव में है, जहां उनके साले विवेक कुमार और सुधांशु कुमार का बंद पड़ा घर है। अज्ञात चोरों ने इसी बंद घर को निशाना बनाया और लाखों रुपये की संपत्ति चुरा ली। पीड़ित परिवार के मुताबिक, चोरों ने घर से सोने-चांदी के जेवरात, एसी, टीवी, अलमारी में रखे कपड़े और चार गैस सिलेंडर सहित

कई अन्य कीमती सामान चुरा लिए। इस चोरी से परिवार को करीब 10 से 15 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। गृहस्वामी के भांजे ने बताया कि उनके मामा स्थायी रूप से घर में नहीं रहते थे, बल्कि समय-समय पर आकर देखरेख करते थे। उन्हें किसी व्यक्ति ने सूचना दी कि घर के पीछे छत से नीचे की ओर कपड़ा लटका हुआ है। मौके पर पहुंचने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। चोर सीसीटीवी का डीवीआर भी अपने साथ ले गए और कैमरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, ताकि कोई साक्ष्य न बचे। शशि भूषण कुमार ने अपने आवेदन में यह भी बताया है कि इस मामले से जुड़े कुछ लोगों के साथ उनका पहले से मुकदमा चल रहा है। उन्होंने पुलिस से सभी पहलुओं की गहन जांच करने, सच्चाई सामने लाने, चोरी हुए सामानों की बरामदगी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

तेजस्वी यादव ने बाबा हरिहरनाथ मंदिर में किया जलाभिषेक

हाजीपुर। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सावन की पहली सोमवारी पर सोनपुर स्थित ऐतिहासिक बाबा हरिहरनाथ मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उन्होंने सोमवार को विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता और श्रद्धालु परिसर में जमा हो गए। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'भोलेनाथ' के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। तेजस्वी यादव ने मंदिर के गर्भगृह में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया। उन्होंने राज्य की सुख-समृद्धि, शांति और जनता के कल्याण की कामना की। पूजा के बाद उन्होंने श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। इस अवसर पर राजद के कई वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक भी तेजस्वी यादव के साथ मौजूद थे। इन सभी नेताओं ने भी बाबा हरिहरनाथ के दरबार में पूजा-अर्चना की। मंदिर प्रशासन ने पूजा के लिए विशेष व्यवस्था की थी, जबकि सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया था। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन सतर्क रहा। सावन की पहली सोमवारी होने के कारण सुबह से ही बाबा हरिहरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। दूर-दराज से आए शिवभक्तों ने गंगा जल और अन्य पूजन सामग्री से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं का मानना है कि सावन माह में शिव की आराधना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। तेजस्वी यादव के मंदिर आगमन से राजद कार्यकर्ताओं में भी उत्साह था। इस दौरान पंडितों ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को रक्षा सूत्र बांधा, तिलक लगाया और बाबा हरिहरनाथ का प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

वैशाली में मिले युवक के शव की हुई पहचान

हाजीपुर। वैशाली के जन्दाहा में गाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर बहसी चौक स्थित एक पेट्रोल पंप के पास मंगलवार सुबह मिले युवक के शव की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र निवासी नरेश पासवान के 25 वर्षीय पुत्र संकेत कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक चरण में शव की पहचान नहीं हो पाई थी, जिसके बाद आसपास के कई थानों से संपर्क साधा गया। बाद में परिजनों और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से मृतक की पहचान संकेत कुमार के रूप में सुनिश्चित हुई। पुलिस ने घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण किया है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसके अतिरिक्त, घटनास्थल के समीप लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि युवक वहां कैसे पहुंचा और उसकी मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। पुलिस फिलहाल सभी संभावित पहलुओं पर गौर करते हुए मामले की जांच कर रही है। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है और उनसे भी पूछताछ की जा रही है। मृतक के चचेरे भाई ने आरोप लगाया है कि संकेत कुमार की हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। उन्होंने यह भी बताया कि संकेत की शादी एक साल पहले बिलट चौक के पास हुई थी।

5000 डाक बम पहलेजा घाट से रवाना

हाजीपुर। हाजीपुर में सावन की पहली सोमवारी से पहले रविवार को पहलेजा गंगा घाट पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। 5000 श्रद्धालु और डाक बम गंगा जल भरकर मुजफ्फरपुर स्थित प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ मंदिर के लिए रवाना हुए। इस दौरान 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा पहलेजा घाट और आसपास का क्षेत्र शिवमय हो गया। डाक बम पहलेजा घाट से जल लेने के बाद लगभग 60 किलोमीटर की पैदल यात्रा करेंगे। यह यात्रा सोनपुर स्थित बाबा हरिहरनाथ मंदिर, हाजीपुर, सराय, भगवानपुर, गरौल, फकुली और तुर्की होते हुए मुजफ्फरपुर तक जाएगी। श्रद्धालु सोमवार को बाबा गरीबनाथ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। केसरिया वस्त्र धारण किए कांवरियों के जत्थे पूरे रास्ते 'बोल बम' के उद्घोष के साथ आगे बढ़ते रहे। कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए पूरे मार्ग पर जगह-जगह डाक शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों की व्यवस्था विभिन्न सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, राजनीतिक दलों और जिला प्रशासन ने की है। इनमें श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शर्बत, प्राथमिक उपचार, विश्राम और भोजन जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए भी व्यापक इंतजाम किए हैं। सावन के पवित्र महीने में पहलेजा घाट से बाबा गरीबनाथ धाम तक की यह कांवर यात्रा हर वर्ष आस्था और श्रद्धा का प्रतीक बनती है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए उत्साहपूर्वक रवाना हुए।

सफाईकर्मी पांचवे दिन भी हड़ताल पर रहे, दो ड्राइवर निकाले गए

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम सहित पूरे बिहार के नगर निकाय के कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का आज पांचवा दिन है। इसका असर शहर की सफाई व्यवस्था पर साफ नजर आ रहा है। पटना की सड़कों पर कचरे की ढेर लगी हुई है। पटना में बदबू से लोगों का हाल बेहाल है। इसी बीच हालात को संभालने के लिए पटना नगर निगम ने लगातार तीसरी रात विशेष सफाई अभियान चलाया है। रविवार को 26 डोर-टू-डोर वाहनों से कचरा उठाव हुआ।

अनुपस्थित ड्राइवर पर कार्रवाई, एजेंसी ने दो को काम से निकालाः पटना नगर निगम ने अनुपस्थित ड्राइवर पर कार्रवाई की। एजेंसी ने दो को काम से निकाला। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए ड्राइवर की आपूर्ति करने वाली एजेंसी मॉर्यन कार्स ऑटो सर्विसेज

ने हड़ताल का समर्थन करने और बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले दो चालकों को तत्काल प्रभाव से सेवा से मुक्त कर दिया है। वहीं, रविवार सुबह शहर के विभिन्न अंचलों में कुल 26 डोर-टू-डोर वाहनों के माध्यम से घरों और कमर्शियल प्रतिष्ठानों से कचरा कलेक्शन किया गया।

हड़ताली कर्मियों पर FIR, मारपीट और गाली-गलौज का आरोपः पटना नगर निगम के उप नगर आयुक्त रामाशीष शरण तिवारी की शिकायत पर हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ शनिवार देर रात सचिवालय थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि हड़ताल के दौरान

रविवार को 26 गाड़ियों से डोर-टू-डोर कचरा उठाया

निर्माणाधीन नगर निगम कार्यालय के पास कुछ कर्मचारी निगम के वाहनों की मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान बड़ी संख्या में हड़ताली कर्मचारी वहां पहुंच गए और मरम्मत कर रहे कर्मियों के साथ गालीगलौज और मारपीट की। फिलहाल किसी भी आरोपी को नामजद नहीं किया गया है। पुलिस ने उप नगर आयुक्त के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

पटना, मुजफ्फरपुर, सुपौल में तेज बारिश, 25 जिलों में अलर्ट

एजेंसी, पटना

बगहा में सड़कों पर 2 फीट पानी, बिजली से 8 लोगों की मौत, 8 झुलसे

पटना में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। कई इलाकों में पानी भर गया है।मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर सुपौल में भी बारिश हुई है। बगहा में मूसलाधार बारिश से सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। 2 जिलों सीवान और गोपालगंज में भारी बारिश की चेतावनी है। इस दौरान 60Kmph की रफ्तार से हवा चलेगी। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार 5-6 अगस्त तक बिहार में बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं।

रविवार को बेगूसराय, बगहा, छपरा, बांका, सुपौल, पूर्णिया, सीतामढ़ी, मधेपुरा और पटना के कुछ इलाकों में तेज बारिश हुई। सीतामढ़ी में भारी बारिश के बाद सदर अस्पताल परिसर में एक से दो फीट पानी भर गया है।

बेगूसराय के भजनी मोहल्ला के 60 से अधिक घरों में पानी घुस गया है। बीते 24 घंटे में बांका में अलग-अलग जगहों में आकाशीय बिजली की गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई। जबकि 8 लोग झुलसे हैं।

राजधानी में आज मौसम सामान्य रहने की संभावना है। दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है और उमस लोगों को परेशान करेगी। हालांकि कुछ इलाकों में हल्के बादल छाने की संभावना है, लेकिन अच्छी बारिश के आसार फिलहाल कम हैं।

भाजपा अध्यक्ष की सीट पर पीके का कब्जा

एजेंसी, पटना

भाजपा अध्यक्ष के गढ़ बांकीपुर में जनसुराज उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 63,203 वोट मिले। पीके ने बीजेपी के नीरज सिन्हा को 18,953 वोटों से हराया। भाजपा के नीरज कुमार 44,250 वोटों के साथ दूसरे नंबर रहे।

वहीं तेजस्वी की पार्टी राजद की रेखा कुमारी मुकाबले में तीसरे नबंर पर रहीं। उन्हें जीत के मार्जिन से भी कम 14,085 वोट मिले है। बांकीपुर में 34.30% वोटिंग हुई थी, यानी 1,30,208 वोट पड़े।

जिस सीट से नितिन नवीन 5 बार लगातार विधायक रहे और एकतरफा जीत दर्ज की। उस सीट पर उनकी पार्टी पहले राउंड से पीछे रही। पहले राउंड से PK ने बढ़त बनाई जिसे बीजेपी के नीरज सिन्हा कभी नहीं पछाड़ पाए।

2025 में नितिन नवीन इस सीट से 51 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे। उन्हें 98,299 वोट मिले थे।

अपनी जीत को प्रशांत किशोर ने जनता का संदेश बताया। उन्होंने कहा, ये बांकीपुर की जनता की जीत है। ये चुनाव विधायक बनाने का चुनाव नहीं है। ये भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को संदेश देने का चुनाव है कि किसी अच्छे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाएं। किसी आपराधिक चाल-चरित्र चेहरे वाले व्यक्ति को बिहार का नेतृत्व मत दीजिए।

कंटेनर ट्रक में मवेशी भरकर ले जा रहे थे बंगाल, बिहटा पुलिस ने 4 लोगों को पकड़ा

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा में रविवार देर शाम पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। बिहटा पुलिस ने मवेशियों से लदे एक कंटेनर ट्रक को पकड़ा और इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरा से पटना की ओर एक कंटेनर ट्रक में मवेशी भरकर ले जाए जा रहे हैं। इसके बाद बिहटा चौक पर वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया गया। पुलिस को देखकर यूपी नंबर का ट्रक भागने लगा, जिसे पीछा कर पकड़ा गया।

300 से 400 मवेशी लदे हुए मिलेः ट्रक की तलाशी लेने पर कंटेनर में लगभग 300 से 400 मवेशी लदे हुए पाए गए। इनमें से कई मवेशियों की हालत बेहद खराब

थी। पुलिस ने ट्रक के चालक, सह-चालक और दो अन्य लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ जारी है।

लोगों ने किया हंगामा, पुलिस ने शांत कराया: इस कार्रवाई की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और हंगामा शुरू हो गया। स्थिति को देखते हुए बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित कर हंगामा शांत कराया। अतिरिक्त पुलिस बल भी मौके पर तैनात किया गया था।

चार लोगों को हिरासत में लिया, सभी UP से: थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया, 'गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कंटेनर ट्रक को पकड़ा है, जिसमें लगभग 300 से 400 मवेशी लदा हुआ है, जो यूपी से बंगाल जा रही थी। फिलहाल इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है, जो यूपी के रहने वाले हैं।' घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है कि आखिरकार इतनी मात्रा में मवेशी और उनके बच्चे बंगाल कहां जा रहा था। फिलहाल ट्रक को जब्त कर लिया गया है।

करीब 300 मवेशी का रेस्क्यू, यूपी के हैं सभी आरोपी

केमिकल गोदाम में लगी आग, स्कूल कराया गया खाली, दमकल की 5 गाड़ियों ने पाया काबू

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के किला रोड पर सोमवार सुबह एक केमिकल गोदाम में अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। केमिकल गोदाम में आग लगने के कारण कुछ ही देर में ऊंची लपटें और काले धुएं का घना गुबार पूरे इलाके में फैल गया। आग से निकलने वाला धुआं दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू किया। एहतियात के तौर पर पास स्थित एक स्कूल को भी खाली कराया गया।

पांच दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चाः घटना की गंभीरता

को देखते हुए फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इनमें दो फोम टेंडर, दो वाटर टेंडर और एक छोटी दमकल गाड़ी शामिल थी। पटना सिटी फायर ब्रिगेड अधिकारी अजय कुमार के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का अभियान चलाया। गोदाम में केमिकल होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी, जिससे राहत कार्य में काफी कठिनाई हुई।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंकाः फायर अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। उनके अनुसार, करीब 10×15 फीट के कमरे में बड़ी मात्रा में ब्लीचिंग पाउडर रखा हुआ था, जिसमें आग लगने के बाद स्थिति गंभीर हो गई।

स्कूल खाली कराया, लोगों से दूरी बनाए रखने की अपीलः संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने गोदाम के आसपास की इमारतों को खाली कराना शुरू किया। सबसे पहले पास स्थित स्कूल को एहतियातन खाली कराया गया, ताकि बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पुलिस प्रशासन ने लोगों से घटनास्थल के पास नहीं जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

किसी के हताहत होने की सूचना नहींः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रशासन और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

नाबालिग ने सौतेली मां और दो भाइयों पर किया हमला

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थानाक्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते एक नाबालिग ने अपनी सौतेली मां और दो सौतेले भाइयों पर चाकू और पेचकश से हमला कर दिया। इस हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज पटना पीएमसीएच में चल रहा है। पुलिस ने घटना के महज दो घंटे के भीतर आरोपी नाबालिग को पकड़ लिया। घायलों की पहचान 30 वर्षीय सोनी सिंह (नीरज सिंह की पत्नी) और उनके बेटे अमन कुमार व शुभम कुमार के रूप में हुई है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किए गए चाकू, पेचकश और खून से सने कपड़े भी बरामद कर लिए हैं। जानकारी के अनुसार, यह घटना बिहटा थानाक्षेत्र के वार्ड नंबर 8 स्थित डोमिनिया पुल के पास एक किराए के मकान में देर रात हुई। घायल महिला अपने दोनों बेटों के साथ रह रही थी, जबकि पति नीरज सिंह बिहटा में काम करते थे। नीरज के

पहले विवाह से हुए नाबालिग बेटे ने अचानक घर आकर तीनों पर हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घायलों को पहले बिहटा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। पुलिस को सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके गांव विष्णुपुरा से पकड़ लिया गया। दानापुर डीएसपी 2 अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि बिहटा थानाक्षेत्र के डोमिनिया पुल के पास किराए के मकान में रह रही है एक महिला और दो बच्चों पर चाकू-पेचकश से हमले की सूचना मिली थी।

पटना में सनी देओल बोले-फिल्म बंटवारा देख हो जाता हूं भावुक

एजेंसी, पटना

बॉलीवुड स्टार सनी देओल और उनके बेटे करण देओल रविवार को पटना पहुंचे थे। वह दैनिक भास्कर के कार्यक्रम 'शौर्य सम्मान' में शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान उनकी अपकमिंग फिल्म बंटवारा 1947 का ट्रेलर भी दिखाया गया। सनी देओल ने अपनी के बारे में भी बताया। उन्होंने अपने पिता धर्मेंद्र से जुड़ी भी कई यादें साझा की। उन्होंने बताया कि शाम 7 बजे के बाद धर्मेंद्र उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने देते थे। यहां तक कि उनके गुस्सा होने पर सनी दूसरे रूम में चले जाते थे। उन्होंने यह भी बताया कि उनके बेटे करण का गुस्सा भी उनके ही जैसा है।

बंटवारा फिल्म को लेकर उन्होंने कहा, 'इस बंटवारा फिल्म को बनाने में हमें काफी समय लग गया। राजकुमार संतोषी ने मुझे इस फिल्म की कहानी 2010 में सुनाई थी।

तब से हम इसे बनाना चाह रहे थे, लेकिन बना नहीं पा रहे थे। मुश्किल आ रही थी। फिर हमारी गदर 2 फिल्म आ गई और अब जाकर यह फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज हो रही है।' सनी ने इस पिक्चर को सभी को देखने की अपील की। उन्होंने अपने एक्सपीरियंस को साझा किया।

एक लाख भक्तों ने किया जलाभिषेक अजगैबीनाथ में 50 हजार की भीड़

एजेंसी, पटना

सावन की पहली सोमवारी पर आज सुबह से ही बिहार के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में 'ॐ नमः शिवाय', 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु भगवान शिव का गंगाजल, दूध, दही, शहद और बेलपत्र से जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना कर रहे हैं। तेजस्वी यादव हाजीपुर के हरिहर नाथ मंदिर जलाभिषेक करने पहुंचे हैं।

समस्तीपुर के विद्यापतिधाम में एक किमी लंबी लाइन है। सुल्तानगंज के अजगैबीनाथ मंदिर में 50 हजार श्रद्धालु की भीड़ है।

वहीं झारखंड के देवघर के बैजनाथ मंदिर में भक्तों की 5 KM लंबी लाइन लगी है। वहीं मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में 2 लाख लोगों ने जलाभिषेक किया। मंदिर के पुजारी का कहना है कि रविवार रात 10 बजे से ही भक्त जलाभिषेक कर रहे हैं। 1 लाख भक्तों जलाभिषेक कर चुके हैं।

सुहागिनों को मिलेगा अखंड सौभाग्य का आशीर्वादः ज्योतिषीय नजरिए से भी इस बार पहली सोमवारी खास मानी जा रही है। आज उत्तराभाद्रपद नक्षत्र और सुकर्मा योग का शुभ संयोग बन रहा है। पूरे दिन जलाभिषेक का शुभ मुहूर्त रहेगा, जबकि शाम को शिव-पार्वती का विशेष श्रृंगार पूजन होगा। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश झा ने कहा, 'सुहागन स्त्रियों को आज शिव-पार्वती की पूजन से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी। सावन मास में शिव की पूजा करने से चार गुना ज्यादा पुण्य मिलता है। आज के दिन महामृत्युंजय मंत्र, वेदोक्त मंत्र एवं गायत्री मंत्र के साथ रुद्राभिषेक करने के बाद उमा-महेश्वर की श्रृंगार पूजा से सभी कष्ट दूर हो जाते है।'

पंडित राकेश झा के मुताबिक इस वर्ष सावन मास में कुल 4 सोमवार पड़ रहे हैं। इनमें दो कृष्ण पक्ष और दो शुक्ल पक्ष में हैं। पहली सोमवारी आज है, जबकि अंतिम सोमवारी 24 अगस्त को होगी। महावीर मंदिर में चार शिवलिंग पर रूद्राभिषेक कराने की व्यवस्था की गई है। आज पहली सोमवारी को काफी भक्त रूद्राभिषेक कराएंगे। सावन के पहले दिन 61 भक्तों ने रूद्राभिषेक किया है। तीन शिवलिंग पर रूद्राभिषेक सुबह 5 बजे से अभिषेक शुरू होती है, जबकि महावीर जी के बगल वाले शिवलिंग पर रूद्राभिषेक दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। इस शिवलिंग पर भक्त सुबह 5 बजे से सुबह 10 बजे तक जल चढ़ा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शांतिपूर्ण और सद्भावपूर्ण वातावरण में मनाएं चेहल्लुम का त्योहार : जिलाधिकारी

बीएनएम@ मोतिहारी। चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार इस वर्ष चेहल्लुम का पर्व 4 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं तथा सुरक्षा और विधि-व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि थाना स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। जिले के 375 चिन्हित स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इनमें मोतिहारी अनुमंडल में 160, सिकरहना में 14, पकड़ीदयाल में 41, अरेराज में 59, चकिया में 47 तथा रक्सौल अनुमंडल में 54 स्थान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अनुमंडल एवं जिला स्तर पर 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। जिला कंट्रोल रूम का दूरभाष संख्या 06252-242418 जारी किया गया है, जिस पर किसी भी प्रकार की सूचना देकर तत्काल कार्रवाई कराई जा सकती है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना लाइसेंस कोई भी जुलूस नहीं निकाला जाएगा। जुलूस निकालने के लिए लाइसेंस अनिवार्य होगा। संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी तथा सभी जुलूसों की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। सभी वरीय अधिकारी क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर विधि-व्यवस्था पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों एवं शांति समिति की बैठकों में दिए गए सुझावों का सभी को पालन करना होगा। किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि चेहल्लुम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह मजबूत किया गया है, ताकि कोई भी असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने में सफल न हो सके। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके लिए साइबर सेल और साइबर सेनानियों को सक्रिय किया गया है। सादे लिबास में पुलिसकर्मी विभिन्न क्षेत्रों में तैनात रहेंगे, जबकि डायल 112 की टीम भी 24 घंटे गश्त करती रहेगी। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से चेहल्लुम का पर्व आपसी भाईचारे, सद्भाव और शांति के साथ मनाने की अपील करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी हैं।

सावन की पहली सोमवारी पर मातमः जल लेने गए दो किशोर बागमती नदी में डूबे, देर रात तक नहीं मिला सुराग

बीएनएम@ पचपकड़ी। सावन की पहली सोमवारी पर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए पवित्र जल लेने पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पूर्वी चंपारण जिले के पचपकड़ी थाना क्षेत्र स्थित देवपुर-बेलवा बागमती-लालबकैया संगम घाट पर तीन युवक अचानक गहरे पानी में डूब गए। इनमें एक युवक किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया, जबकि दो किशोर नदी की तेज धारा में लापता हो गए। लापता किशोरों की पहचान लालबेगिया गांव निवासी कमलेश कुमार (17 वर्ष), पिता उमाकांत यादव तथा रौशन कुमार (14 वर्ष), पिता रमेश यादव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों अपने साथियों के साथ सावन की पहली सोमवारी पर भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए जल लेने संगम घाट पहुंचे थे। जल भरने के दौरान अचानक उनका पैर गहरे पानी में चला गया और वे तेज धारा की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने दोनों को बचाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन नदी के तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही पचपकड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की सहायता से राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया। देर शाम तक एनडीआरएफ की टीम भी नदी में लगातार खोजबीन करती रही, लेकिन देर रात तक दोनों किशोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका। खोज अभियान जारी है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। दोनों किशोरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि गांव में मातम पसरा हुआ है। सावन के पावन अवसर पर हुई इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। यह हादसा धार्मिक स्थलों और नदी घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता को एक बार फिर सामने लाता है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि ऐसे संवेदनशील घाटों पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम, चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग और प्रशिक्षित बचाव दल की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

ठनका की चपेट में आने से मजदूर की मौत

बीएनएम@ बेतियाः बैरिया थाना क्षेत्र के तुमकड़िया पंचायत के वार्ड संख्या-7 में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से मजदूर धर्मेंद्र चौधरी की मौत हो गई।परिजनों के अनुसार धर्मेंद्र अपने घर में काम कर रहे थे, तभी तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी,

जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय उपमुखिया भूपेंद्र चौधरी ने बताया कि ग्रामीणों की मदद से उन्हें तत्काल बेतिया जीएमसीएच ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। धर्मेंद्र अपने पीछे पत्नी, पांच पुत्रियों और एक पुत्र सहित पूरे परिवार को छोड़ गए हैं। उनकी असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है । वहीं, बैरिया अंचलाधिकारी अजय कुमार ने बताया कि सरकारी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बांका जिला परिषद कार्यालय में 1.26 लाख रुपये रिश्वत लेते दो गिरफ्तार, निगरानी ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

बीएनएम@ बांका/पटना

भ्रष्टाचार के विरुद्ध निगरानी अन्वेषण ब्यूरो (वीआईबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बांका जिला परिषद कार्यालय से 1,26,000 रुपये रिश्वत लेते हुए दो आरोपितों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान ओम प्रकाश मंडल (निजी सहायक) एवं जागेश्वर मंडल (रात्रि प्रहरी) के रूप में हुई है। दोनों को मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, बांका के कार्यालय कक्ष से गिरफ्तार किया गया। निगरानी थाना कांड संख्या 90/26 के तहत 30 जुलाई 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) एवं बीएनएस की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

बिल भुगतान के एवज में मांगी जा रही थी रिश्वत- निगरानी ब्यूरो के अनुसार, धोरैया थाना क्षेत्र के फतुचक निवासी अवध किशोर कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि नाला एवं पीसीसी सड़क निर्माण कार्य के बिल भुगतान के लिए रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन में आरोप सही पाए गए।

जांच में सामने आया कि सरकारी योजनाओं के बिल भुगतान के नाम पर संगठित तरीके से अवैध वसूली की जा रही थी। इसके बाद कुल पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इनमें तीन लोक सेवक—सहायक अभियंता सुधीर कुमार, कनीय अभियंता मगरूफ तथा जिला परिषद अध्यक्ष राजेंद्र यादव—और दो गैर-लोक सेवक ओम प्रकाश मंडल एवं जागेश्वर मंडल शामिल हैं।

सेवानिवृत्त अभियंता बनकर कर रहे थे दलाली- जांच में पता चला कि ओम प्रकाश मंडल वर्ष 2020 में जिला परिषद, बांका से कनीय अभियंता पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद भी निजी तकनीकी सहायक के रूप में कार्यालय से जुड़े रहकर कथित रूप से दलाली का कार्य कर रहे थे।

गिरफ्तारी के बाद उनके आवास की तलाशी में भारतीय स्टेट बैंक के खाते में 4 लाख रुपये से अधिक की जमा राशि मिली। साथ ही बांका के आजाद चौक स्थित लगभग 2,000 वर्गफीट में दो मंजिला निर्माणाधीन मकान की भी जानकारी मिली। जांच के दौरान एसबीआई एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खातों को फ्रीज कर दिया गया है।

अन्य आरोपितों पर भी कार्रवाई जारी- निगरानी ब्यूरो ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद उन्हें विशेष निगरानी न्यायालय, भागलपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले के अन्य आरोपितों के विरुद्ध भी कार्रवाई जारी है और अनुसंधान आगे बढ़ाया जा रहा है।

वर्ष 2026 का 90वां भ्रष्टाचार मामला- निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2026 में यह भ्रष्टाचार से संबंधित 90वीं प्राथमिकी है। इनमें 83 ट्रैप केस दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें अब तक 86 अभियुक्तों की रंगे हाथ गिरफ्तारी हुई है। इस वर्ष अब तक 31,51,800 रुपये की रिश्वत राशि बरामद की गई है। वहीं वर्ष 2025 में 101 ट्रैप मामलों में 37,80,300 रुपये रिश्वत की राशि बरामद की गई थी।

पदभार संभालते ही विधायक के आवास पहुंचे पताही के नए बीईओ, शिष्टाचार भेंट को लेकर चर्चा

बीएनएम@ पताही

पताही प्रखंड के नव नियुक्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) शंकर कुमार द्वारा पदभार ग्रहण करने के बाद चिरैया विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता के बखरी स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट करने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। विधायक लालबाबू प्रसाद गुप्ता ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी कि नव नियुक्त बीईओ शंकर कुमार ने पदभार ग्रहण करने के बाद उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की तथा अंगवस्त्र और बुके भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। विधायक ने पोस्ट में बीईओ के सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं भी दी हैं। इस मुलाकात के बाद क्षेत्र में विभिन्न तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी प्रखंड स्तरीय प्रशासनिक अधिकारी का पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद किसी जनप्रतिनिधि के निजी आवास पर जाकर शिष्टाचार भेंट करना स्वाभाविक रूप से लोगों के बीच चर्चा का विषय बन सकता है। लोग इसे सामान्य औपचारिकता मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसके संदर्भ को लेकर सवाल भी उठा रहे हैं। हालांकि, शिक्षा विभाग की ओर से इस मुलाकात को लेकर कोई आधिकारिक बयान या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है। विधायक की सोशल मीडिया पोस्ट में भी इसे केवल शिष्टाचार भेंट बताया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों से निष्पक्षता और पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। ऐसे मामलों में यदि संबंधित पक्ष की ओर से स्पष्ट जानकारी सामने आती है, तो अनावश्यक अटकलों और चर्चाओं पर विराम लग सकता है।

बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज की जीत की गूंज पताही तक, देवापुर में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

बीएनएम@ पताही

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज की जीत के बाद इसकी गूंज पूर्वी चंपारण के पताही प्रखंड तक सुनाई दी। प्रखंड के देवापुर गांव में जन सुराज कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जीत का जश्न मनाया। परिणाम घोषित होते ही कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया, पटाखे फोड़े और रंग-गुलाल लगाकर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत केवल एक विधानसभा सीट की जीत नहीं, बल्कि बिहार में नई राजनीतिक सोच, जनभागीदारी और जवाबदेही की राजनीति के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। उनका कहना था कि मतदाताओं ने विकास और पारदर्शिता के मुद्दों पर जन सुराज के पक्ष में अपना समर्थन दिया है। जश्न के दौरान कार्यकर्ताओं ने जन सुराज के समर्थन में नारे लगाए और कहा कि यह जीत जनता के विश्वास तथा पार्टी की विचारधारा की जीत है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी बिहार की जनता बदलाव की राजनीति का समर्थन करेगी। इस अवसर पर जन सुराज नेता नीरज झा, रजनीश सिंह, आशुतोष कुमार झा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को जीत की बधाई दी, मिठाइयां बांटी और उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान देवापुर गांव में उत्सव का माहौल बना रहा।

जसौली पट्टी को गांधी सर्किट से जोड़कर पर्यटन केंद्र बनाने की मांग, विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

बीएनएम@ कोटवा

कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह ने मुख्यमंत्री से स्वतंत्रता सेनानी बाबू लोमराज सिंह के पैतृक गांव जसौली पट्टी को गांधी सर्किट से जोड़कर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को विस्तृत पत्र भेजकर गांव की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा पर्यटन सुविधाओं के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया है। विधायक ने पत्र में उल्लेख किया है कि 16 अप्रैल 1917 को चम्पारण आगमन के बाद महात्मा गांधी ने अपने सहयोगियों रामनवमी प्रसाद एवं धरणीधर प्रसाद के साथ सबसे पहले जसौली पट्टी का दौरा किया था। उस समय गांव में नीलहों के अत्याचार के खिलाफ किसानों का आंदोलन चल रहा था और गांधीजी यहां किसानों की वास्तविक स्थिति जानने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जसौली पट्टी चम्पारण सत्याग्रह का ऐतिहासिक स्थल है, जहां किसानों का पहला बयान दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय, विराट रामायण मंदिर और केसरिया बौद्ध स्तूप के मध्य स्थित यह गांव ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां देश-विदेश से गांधीवादी, इतिहासकार, शोधार्थी और पर्यटक समय-समय पर आते हैं। यदि इसे गांधी सर्किट से जोड़कर आवश्यक पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएं तो यह राष्ट्रीय स्तर का आकर्षण बन सकता है। विधायक ने मुख्यमंत्री से गांव में 1949 में स्थापित श्री गांधी लोमराज पुस्तकालय, सभा भवन, अतिथिगृह, गांधी पार्क, स्मृति स्तंभ, बच्चों के खेल मैदान तथा अन्य ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं विकास की मांग की है। साथ ही पर्यटकों एवं शोधार्थियों के लिए सड़क, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का भी आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि पूर्व विदेश मंत्री श्यामनन्दन मिश्र एवं उद्योगपति धीरूभाई अंबानी की पहल पर वर्ष 2000 से प्रत्येक वर्ष 16 अप्रैल को गांव में चम्पारण सत्याग्रह स्मृति दिवस मनाया जाता है। वहीं, पिछले कुछ वर्षों से बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सहयोग से यहां प्रतिवर्ष चम्पारण सत्याग्रह महोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है। विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि जसौली पट्टी को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किए जाने से चम्पारण सत्याग्रह की ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण होगा, पर्यटन को नई पहचान मिलेगी तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मरम्मत के 5 दिन बाद ही 40 फीट धंसा तिलावे नदी का तटबंध, 72 गांवों में बाढ़ जैसे हालात

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा प्रखंड के ऊंची भाटिया गांव के पश्चिमी सरेह स्थित तिलावे नदी का तटबंध मरम्मत के महज पांच दिन बाद ही रविवार को करीब 40 फीट लंबाई में धंस गया। इस घटना ने मरम्मत कार्य की गुणवत्ता और प्रशासनिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि अधिकारियों के निरीक्षण के बाद हाल ही में यहां मरम्मत कराई गई थी, लेकिन तेज जलदबाव के सामने तटबंध टिक नहीं सका। तटबंध धंसते ही नदी का पानी तेजी से आसपास के इलाकों में फैल गया। करीब डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र जलमग्न हो गया है। इससे ऊंची भाटिया, शेखौना, भाटिया, मंगलपुर, खुगनी समेत लगभग 72 गांवों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। कई गांवों में लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। बाढ़ के पानी से सबसे अधिक नुकसान किसानों को हुआ है। खेतों में लगी धान, मक्का और सब्जियों की फसलें पानी में डूबकर बर्बाद हो गई हैं। किसानों का कहना है कि उनकी सालभर की मेहनत कुछ ही घंटों में पानी में बह गई। कई गांवों में घरों के अंदर भी पानी घुस गया है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेकर लौट गए। ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक न तो राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई है और न ही तटबंध की मरम्मत के लिए मशीनें या अन्य आवश्यक संसाधन लगाए गए हैं। प्रशासनिक सहायता नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। सामाजिक कार्यकर्ता नवेश आलम, माधो बैठा और नवल पंडित के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण फावड़े, बोरे, बांस और बल्लियों की मदद से तटबंध को बचाने और पानी के फैलाव को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पहली बार दरार पड़ने पर तटबंध की स्थायी और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कर दी गई होती तो आज इतनी बड़ी तबाही नहीं होती। उन्होंने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, तटबंध की स्थायी मरम्मत और प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। फिलहाल क्षेत्र में पानी का फैलाव लगातार बढ़ रहा है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो प्रभावित गांवों की संख्या और बढ़ सकती है।

सावन की पहली सोमवारी पर बाबा सोमेश्वरनाथ धाम में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

बीएनएम@ अरेराज (पूर्वी चंपारण)

श्रावण मास की पहली सोमवारी पर उत्तर बिहार के प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक बाबा सोमेश्वरनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। ब्रह्म मुहूर्त से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लग गया और दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती गई। पूर्वी चंपारण सहित उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों तथा पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कांवड़िये बाबा सोमेश्वरनाथ के जलाभिषेक एवं दर्शन के लिए पहुंचे। पूरे धाम में "हर-हर महादेव", "बोल बम" और "जय बाबा सोमेश्वरनाथ" के जयघोष से वातावरण शिवमय बना रहा। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक करते रहे और सुख, शांति, समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की। कई श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली कुमारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार ने स्वयं मंदिर परिसर, गर्भगृह, प्रवेश एवं निकास द्वार, कतार व्यवस्था और मेला क्षेत्र का लगातार निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनकी निगरानी में श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुव्यवस्थित बनाए रखा गया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित पुलिस एवं प्रशासनिक टीम के साथ लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहे। मेला क्षेत्र को विभिन्न सेक्टरों में विभाजित कर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मंदिर परिसर और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी पूरे मेले पर नजर रखी गई। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। बैरिकेडिंग के माध्यम से कतार व्यवस्था बनाई गई तथा अरघा के जरिए जल अर्पण की व्यवस्था की गई, जिससे गर्भगृह में भीड़ का दबाव कम रहा। पेयजल, प्राथमिक उपचार, छायादार विश्राम स्थल तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। स्वयंसेवकों और पुलिसकर्मियों ने भी भीड़ नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर श्री सोमेश्वरनाथ धाम अरेराज मठ के पीठाधीश्वर एवं जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि जी महाराज के सान्निध्य में बाबा सोमेश्वरनाथ का भव्य एवं आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसके बाद विधि-विधान से विशेष रुद्राभिषेक और महाआरती संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महाआरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर शिवभक्ति में सराबोर रहा। श्रावणी मेले के दौरान प्रशासन और मठ प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा। शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई पहली सोमवारी ने एक बार फिर बाबा सोमेश्वरनाथ धाम की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता को रेखांकित किया। लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

बथना घाट पर गंडक नदी में डूबा किशोर

बीएनएम@ बेतिया: बैरिया थाना क्षेत्र के बथना घाट पर गंडक नदी में स्नान और जल भरने के दौरान एक किशोर तेज बहाव में डूब गया। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार नौतन थाना क्षेत्र के शिवराजपुर पंचायत के वार्ड संख्या-3 निवासी झुनझुन दुबे का पुत्र शुभम कुमार सावन की पहली सोमवारी पर अपने साथियों के साथ बथना घाट जल लेने गया था। इसी दौरान नदी में उतरते समय उसका पैर फिसल गया और वह तेज धारा में बह गया।साथ मौजूद युवकों ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे तथा काफी देर तक खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सूचना मिलने पर बैरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और एसडीआरएफ को सूचना देकर संयुक्त खोज अभियान शुरू कराया। मृतक के पिता झुनझुन दुबे ने बताया कि शुभम करीब दस साथियों के साथ घाट पर गया था। बताया जाता है कि शुभम अपनी तीन बहनों का इकलौता भाई था।

एक घंटे की बारिश में सीतामढ़ी सदर अस्पताल हुआ जलमग्न

मरीजों को घुटनों तक भरे पानी से होकर इलाज के लिए अंदर जाना पड़ा

बीएनएम@ सीतामढ़ी: सोमवार को हुई लगभग एक घंटे की मूसलाधार बारिश के बाद सीतामढ़ी सदर अस्पताल परिसर पूरी तरह जलमग्न हो गया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, मुख्य प्रवेश द्वार और वाहन पार्किंग सहित कई हिस्सों में पानी भर जाने से मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को घुटनों तक भरे पानी से होकर इलाज के लिए अंदर जाना पड़ा। पार्किंग क्षेत्र में खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहन पानी में डूबे नजर आए, जिससे वाहनों के आवागमन पर भी असर पड़ा। गंभीर मरीजों और बुजुर्गों को स्ट्रेचर और व्हीलचेयर के सहारे पानी के बीच से अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सदर अस्पताल में जलजमाव की समस्या हर वर्ष बारिश के मौसम में सामने आती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। अस्पताल परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण थोड़ी सी बारिश में भी पानी जमा हो जाता है। इस घटना ने नगर निगम की जल निकासी व्यवस्था को लेकर किए जा रहे दावों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में ऐसी स्थिति प्रशासनिक तैयारियों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। लोगों का कहना है कि यदि महज एक घंटे की बारिश में यह हाल है, तो लगातार बारिश होने पर स्थिति और भी भयावह हो सकती है। बारिश रुकने के कई घंटे बाद तक अस्पताल परिसर में पानी जमा रहा, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को लंबे समय तक परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग से जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

शादी करने से रोकने और जान मारने की धमकी की प्राथमिकी

बीएनएम@ जमुई/झाझा। फोकसा गांव की एक विधवा महिला ने गांव के ही एक युवक पर दूसरे युवक से शादी करने से रोकने और जान मारने की धमकी देने के संदर्भ में झाझा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता सागो देवी ने बताई की मैं दो बच्चों के साथ मायके में रहती हूं और पटना में मजदूरी कर अपने बच्चों का भरण पोषण भी करती हूं। वर्ष 2025 में हरियाणा सोनीपत के रहने वाले दीपक राजपूत से सम्पर्क हुआ और उससे शादी करना चाहती हूं। माता पिता के कहने पर रविवार को दीपक को अपने मायके बुलाया। तभी रात्रि में पड़ोसी विपिन उर्फ विजय पंडित नशे की हालत में घर पर आकर अभद्र व्यवहार करने लगा और कहने लगा कि मुझे किसी ओर के पास नही रहने देंगे औरदीपक को जान मार देने की धमकी दिया। विवाद बढ़ता देखकर डायल 112 पर सूचना देने के बाद पुलिस आई और उसे पकड़ा। थानाध्यक्ष मिंटु कुमार सिंह में बताया कि महिला की शिकायत और नशे की हालत में पकड़ाए युवक पर प्राथमिकी दर्ज की गई। है।

सुरसंड में सड़क हादसों में महिला समेत पांच घायल

बीएनएम@ सुरसंड: थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर सोमवार को दो बाइकों की सीधी टक्कर में महिला समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सुरसंड में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सीतामढ़ी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। पहली घटना डॉ. भीमराव अंबेडकर टावर चौक स्थित एनएच-227 पर हुई, जहां दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोग घायल हो गए। घायलों की पहचान परिहार थाना क्षेत्र के सूतिहारा गांव निवासी सतीश कुमार तथा हरारी दुलारपुर गांव निवासी जितेंद्र ठाकुर के रूप में हुई है। वहीं दूसरी घटना हरारी दुजालपुर गांव के समीप एनएच-227 पर पुल के पास हुई, जहां दो बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में भिट्ठा थाना क्षेत्र के श्रीखंडी भिट्ठा गांव निवासी वीणा देवी, दिनेश कुमार तथा हरारी दुलारपुर गांव निवासी अंगद कुमार शामिल हैं।

बाया नदी में डूबने से युवक की मौत, मचा कोहराम

बीएनएम@ समस्तीपुर: मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर बस्ती पूर्व पंचायत के वार्ड संख्या-5 निवासी रौशन कुमार की सोमवार को बस्ती डीह घाट स्थित बाया नदी में स्नान करने के दौरान डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। बताया गया है कि रौशन कुमार बस्ती डीह घाट स्थित बाया नदी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूब गए। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें नदी से बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मोहिउद्दीननगर ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। शव देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूर्व मुखिया मो. निजाम ने बताया कि रौशन कुमार मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इधर, घटना की सूचना मिलने पर मोहिउद्दीननगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। एसआई संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, समस्तीपुर भेज दिया। थानाध्यक्ष सचिन कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गिद्धेश्वर मंदिर में पूजा के दौरान श्रद्धालु का मोबाइल गुम

बीएनएम@ जमुई। खैरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध गिद्धेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान एक श्रद्धालु का मोबाइल गुम हो गया। मामले को लेकर पीड़ित ने गरही थाना में लिखित आवेदन देकर मोबाइल की बरामदगी की मांग की है। जानकारी के अनुसार गौरव कुमार पूजा-अर्चना करने आए थे। इसी दौरान मंदिर परिसर में उनका मोबाइल गुम हो गया।पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

ब्लाइंड वॉक से गूंजा जमुई, अंगदान का दिया संदेश

बीएनएम@ जमुई

» देह दान समिति ने लोगों को मानव सेवा के लिए किया प्रेरित

किसी की आंखों में फिर से रोशनी लौट आए, किसी मरीज को नया जीवन मिल जाए और मृत्यु के बाद भी इंसान समाज के काम आए इसी संदेश के साथ सोमवार को जमुई शहर की सड़कों पर जागरूकता की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। देह दान समिति, जमुई ने अंगदान, नेत्रदान और देहदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए ब्लाइंड वॉक का आयोजन किया। बड़ी संख्या में लोगों ने इस अभियान में भाग लेकर मानव सेवा का संदेश दिया। जागरूकता यात्रा की शुरुआत केंद्रीय पुस्तकालय परिसर से हुई। उप विकास आयुक्त सुभाष चंद्र मंडल, साइबर पुलिस पदाधिकारी अभिषेक कुमार, समाजसेवी प्रकाश भगत तथा स्वामी निरंजनानंद योग केंद्र के स्वामी आत्म स्वरूप जी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। समिति के जिलाध्यक्ष प्रदीप केशरी ने यात्रा का नेतृत्व किया। समिति के सचिव दिलीप साव, सलाहकार शंभू कुमार और अन्य सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ लोगों को जागरूक किया। यात्रा के दौरान "जीते जी रक्तदान, मृत्युप्रांत अंगदान", "अंगदान महादान", "नेत्रदान महादान" और "देहदान महादान" जैसे नारों से शहर का माहौल गूंज उठा। यह यात्रा केंद्रीय पुस्तकालय से कचहरी तक निकाली गई। कार्यक्रम में डॉ. मनोज कुमार सिन्हा, प्रकाश भगत, कुंज बिहारी बांका, मोतीउल्ला खान, प्रो. महेश केशरी, चंद्रकांत भगत, चन्द्रदेव सिंह, शंकर साह, अजीत कुमार, चक्रधारी बरनवाल, मनोज कुमार गुप्ता, डॉ. बी. मोदी, राजा राम केशरी, शिवदानी प्रसाद, प्रो. राम जीवन साहू सहित समिति के कई सदस्य और शहर के नागरिक मौजूद रहे। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान, अंगदान, नेत्रदान और देहदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इन कार्यों के प्रति जागरूक बनें और अधिक से अधिक लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

दो चचेरी बहनों को स्नातक की अंतिम परीक्षा दिलाने बाइक से चकाई जा रहा था युवक

ई-रिक्शा से टकराई बाइक, युवक की हुई मौत, दोनों छात्राएं गंभीर

बीएनएम@ सोनो (जमुई)

सोनो-चकाई एनएच-333 पर खपरिया पुल के समीप सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ परीक्षा देने जा रही दो छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।मृतक की पहचान मोहनपुर थाना क्षेत्र के मगही गांव निवासी जानकी यादव(36) पिता दरोगी यादव के रूप में हुई है।बताया जाता है कि जानकी यादव अपनी चचेरी बहनों पूजा कुमारी,पिता भोला यादव, ग्राम केनमन काठी तथा निभा कुमारी,पिता तारिणी यादव, ग्राम मगही को स्नातक की अंतिम परीक्षा दिलाने बाइक से चकाई जा रहा था।परीक्षा को लेकर दोनों छात्राएं घर से निकली थीं।बताया जाता है कि खपरिया पुल के समीप सामने से आ रहे एक ई-रिक्शा से बाइक की सीधी टक्कर हो गई।टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और चालक जानकी यादव ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दोनों छात्राएं गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं।हादसे की सूचना मिलने पर प्रभारी थानाध्यक्ष कुंदन कुमार,एसआई प्रेमरंजन राय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे।दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।हादसे की खबर मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। पत्नी कुंती देवी, बेटी शीशम कुमारी(12) और पुत्र बिट्टू कुमार(15) का रो-रोकर बुरा हाल था।घटनास्थल पर पहुंचे परिजन और ग्रामीणों का विलाप सुन माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। मौजूद लोगों ने किसी तरह परिजनों को संभालने का प्रयास किया। स्नातक की अंतिम परीक्षा वाले दिन हुए इस हादसे ने दो परिवारों की खुशियों को पलभर में मातम में बदल दिया।

दो बाइकों की भिड़ंत में दो युवक गंभीर, रेफर

बीएनएम@ सोनो(जमुई)

चरकापत्थर थानाक्षेत्र के मोहनाडीह के समीप सोमवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी।घायलों में करहरी निवासी 20 वर्षीय आदिल अंसारी,पिता- सामिद अंसारी एवं 18 वर्षीय शहादत अंसारी पिता- मदीन अंसारी शामिल हैं।बताया जाता है कि आदिल करहरी में ट्यूशन पढ़कर घर लौट रहा था, जबकि शहादत अंसारी बच्चों को बाइक से घुमाने के लिए निकला था। मोहनाडीह के समीप दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलते ही चर्कापाथर डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम में एएसआई विकास कुमार, कांस्टेबल नीरज कुमार एवं कांस्टेबल रूपा कुमारी शामिल थे।पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल सोनो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया।पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद कुछ देर तक सड़क पर आवागमन भी प्रभावित रहा।

सिमुलतला विद्यालय में अधिकारियों ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र

करियर, अनुशासन और कर व्यवस्था पर संवाद, विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान

बीएनएम@ सिमुलतला (जमुई)

सिमुलतला आवासीय विद्यालय में रविवार को प्रेरणादायक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य वाणिज्य कर विभाग के संयुक्त आयुक्त हरेन्द्र कुमार और जमुई के अपर जिला पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी धनंजय कुमार पासवान ने विद्यालय पहुंचकर छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को लक्ष्य तय कर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। दोनों अधिकारियों ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद आयोजित संवाद कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय का सदुपयोग, नियमित अध्ययन, स्पष्ट लक्ष्य और नैतिक मूल्यों के महत्व के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने देश की कर व्यवस्था और राष्ट्र निर्माण में करदाताओं की भूमिका को सरल भाषा में समझाया। संवाद के दौरान अधिकारियों ने कहा कि कठिन परिश्रम, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य पर लगातार काम करने और चुनौतियों से घबराए बिना आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर चयन, उच्च शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़े कई प्रश्न पूछे। अधिकारियों ने सभी सवालों के सरल और व्यावहारिक उत्तर दिए, जिससे छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ा। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय गान के साथ समारोह का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

जनता दरबार में डीएम ने सुनीं आमजनों की फरियाद

» त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

बीएनएम@ समस्तीपुर

समाहरणालय स्थित जनता दरबार में सोमवार को जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरतापूर्वक सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी-अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल, सड़क, आवास, अतिक्रमण, पुलिस एवं जनवितरण प्रणाली सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामले सामने आए। जिलाधिकारी ने एक-एक कर आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामलों का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम लोगों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जिला प्रशासन की प्राथमिकता आम नागरिकों को समयबद्ध तरीके से न्याय एवं आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना है। जनता दरबार के दौरान कई मामलों में जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों से दूरभाष पर तत्काल संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं, अन्य आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई करने को कहा गया। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का निष्पादन केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि समस्या का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, मामलों के निष्पादन में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर भी जोर दिया।जनता दरबार में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई की प्रक्रिया भी मौके से ही शुरू कर दी गई।

लगातार बारिश से उमस से मिली राहत, किसानों में खुशी

गंडक पार के दियारा में जलजमाव के साथ बाढ़ का बढ़ा खतरा

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड एवं दियारा क्षेत्र में सोमवार की सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और झमाझम बारिश शुरू हो गई। लगातार हो रही वर्षा से जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली, वहीं दियारा क्षेत्र के लोगों की चिंता भी बढ़ने लगी है। बारिश के कारण मधुबनी प्रखंड के निचले इलाकों और कई गांवों में जलजमाव की आशंका गहरा गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान गांवों की सड़कें, गलियां और खेत पानी से भर जाते हैं, जिससे आवागमन के साथ-साथ दैनिक जीवन भी प्रभावित होता है। इधर, लगातार हो रही बारिश को देखते हुए दियारा क्षेत्र के लोग संभावित बाढ़ को लेकर भी सशंकित हैं। लोगों का मानना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश जारी रही तो गंडक नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हो सकती है। जलस्तर बढ़ने की स्थिति में दियारा के कई गांवों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है, जिससे जनजीवन और खेती-किसानी पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। हालांकि, किसान विश्वनाथ यादव, रामधारी मल्लाह , उमेश चौधरी, नन्दलाल मल्लाह, मेहीलाल चौधरी का कहना है कि वर्तमान बारिश खरीफ फसलों के लिए लाभदायक है, लेकिन यदि वर्षा का सिलसिला लंबा चला और नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो यही बारिश परेशानी का कारण बन सकती है। ऐसे में दियारा क्षेत्र के लोग मौसम और गंडक नदी के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

21 लीटर देसी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहनपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के राजपुर जौनापुर पंचायत में छापेमारी कर 21 लीटर देसी शराब के साथ एक कथित शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान राजपुर जौनापुर पंचायत निवासी मनजीत कुमार, पिता भुनेश्वर राय के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि समस्तीपुर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रदेश में लागू शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए थाना क्षेत्र में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि मनजीत कुमार शराब के कारोबार में संलिप्त है। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस टीम ने उसके घर पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान घर से 21 लीटर देसी शराब बरामद की गई। इसके बाद पुलिस ने मनजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मोहनपुर थाना कांड संख्या 132/26 दर्ज किया गया है।

भाईचारे की अनूठी मिसाल: मुस्लिम महिला डॉक्टर मुमताज रूही और एएनएम टीम कर रही कांवरियों की निःस्वार्थ सेवा

बीएनएम@ सोनो (जमुई)

पवित्र सावन माह के शुभ अवसर पर सोनो चौक स्थित सावन सेवा शिविर में सांप्रदायिक सौहार्द और मानव सेवा की एक बेहद सुंदर और प्रेरणादायक तस्वीर देखने को मिल रही है। इस शिविर में एक मुस्लिम महिला डॉक्टर, डॉ. मुमताज रूही, पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ भगवान भोलेनाथ के भक्तों (कांवरियों) की सेवा में जुटी हुई हैं। सोनो चौक पर लगे इस स्वास्थ्य सेवा शिविर में डॉ. मुमताज रूही को मुख्य चिकित्सक (डॉक्टर) के रूप में तैनात किया गया है। वे दिन-रात बोल-बम का जयकारा लगाते हुए कठिन यात्रा तय कर रहे कांवरियों का प्राथमिक उपचार कर रही हैं। स्वास्थ्यकर्मियों की टीम दे रही निरंतर साथ कांवरियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए डॉ. मुमताज रूही के साथ एएनएम कर्मियों की एक समर्पित टीम लगातार तत्पर है। इस टीम में बबीता कुमारी निशा भारती मधु कुमारी पिंकी कुमारी यह पूरी स्वास्थ्य टीम आपसी समन्वय और सेवा भाव से कांवरियों के उपचार में लगी हुई है। निःशुल्क दवा, मलहम-पट्टी व प्राथमिक उपचार पैदल यात्रा के दौरान कांवरियों के पैरों में छाले पड़ना, दर्द होना या शारीरिक थकान होना आम बात है। शिविर में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कांवरियों को: निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पैरों के छालों व चोट पर मलहम-पट्टी की जा रही है। अन्य सभी आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं तुरंत प्रदान की जा रही हैं। समाज में सौहार्द और सेवा की बन रहीं मिसाल डॉ. मुमताज रूही और उनकी पूरी टीम द्वारा की जा रही इस निःस्वार्थ सेवा की स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज से आ रहे कांवरिए भी भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं। धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर की जा रही यह मानव सेवा समाज में कौमी एकता, भाईचारे और मानवता का एक बहुत ही मजबूत संदेश दे रही है।

ई रिक्शा स्टैंड के चालकों ने किया प्रदर्शन

बीएनएम@ जमुई/झाझा

सोमवार को रेलवे स्टेशन के बाहरी परिसर में बने ई रिक्शा स्टैंड के चालकों ने कई मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। लोगों ने स्टैंड में पेयजल, शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर अपनी मांगों को रखने का काम किया। ई रिक्शा चालक सोनू कुमार यादव, डब्लू, बबन आदि ने बताया कि स्टैंड काफी पुराना है जहां सैकड़ो ई रिक्शा, रिक्शा और ऑटो चालक रेलवे स्टेशन आने जाने वाले यात्रियों पर निर्भर है। यात्रियों को हमसभी चालक सुविधा प्रदान करते है लेकिन हमलोगों की मांग भी कोई सुनने वाला नही है। स्टेशन के बाहरी परिसर में स्टैंड के पास कोई पेयजल के लिए संसाधन नही है मजबूरन हमलोगों को पानी खरीदकर या दूर से बोतल भर कर लाना पड़ता है। शौचालय के लिए भी दूर जाना पड़ता है। इसके अलावे हमलोगों के लिए कोई शेड की भी व्यवस्था नही है जिसके कारण धूप हो या बारिश या फिर कड़ाके की ठंड खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है। चालकों ने कहा कि कई बार हमलोग रेलवे के वरीय अधिकारी से मिलकर अपनी समस्या रखने का काम करते है लेकिन हमलोगों को अधिकारी से मिलने नही दिया जाता है। वही नगर परिषद की ओर से भी हमलोगों के लिए पेयजल या अन्य सुविधा नही मिल पाता है।

लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला

अवसरहीनता से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसीÓ, 'विकसित भारतÓ, या 'विश्व गुरुÓ जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। एक मंत्री को इस्तीफा देने पर मजबूर करने की कॉकरोच आंदोलन की सफलता से जनमत के एक हिस्से में "लोकतंत्र के जिंदा होने" का बना अहसास यही बताता है कि हालिया वर्षों में "लोकतंत्र की स्थिति" लेकर इस दायरे में कितनी मायूसी छायी रही है। यह भावना जवाबदेही तय करने वाली संस्थाओं के पंगु होने और लोकतांत्रिक अधिकारों के सिकुड़ते जाने की धारणा से पैदा हुई है। कॉकरोच आंदोलन दरअसल, इन सबसे ही गहराती हताशा एवं बढ़ते आक्रोश की सामूहिक अभिव्यक्ति का जरिया बना। इस दौरान दिखी खासकर युवा वर्ग की उत्साही भागीदारी एवं जोश भरी प्रतिक्रियाओं ने कुछ ठोस संकेत दिए। मसलन, यह कि हवाई कथानकों के जरिए जमीनी नाकामियों को छिपाने में सत्ता पक्ष को मिली कामयाबियों का दौर अब ठहर चुका है। अवसरहीनता और अंधकारमय भविष्य से जूझ रही नई पीढ़ी 'अतीत के गौरव की वापसीÓ, 'विकसित भारतÓ, या 'विश्व गुरुÓ जैसी कहानियों से प्रभावित नहीं है। वह नरेंद्र मोदी सरकार से उसके 12 साल के कार्यकाल का हिसाब मांग रही है। इस अर्थ में कहा जा सकता है कि नैरेटिव कंट्रोल की मोदी की क्षमता पहली बार चूकती नज़र आई। मध्य एवं उच्च मध्यम वर्ग से आए पढ़े-लिखे एवं नई संचार तकनीक के इस्तेमाल में माहिर नौजवानों ने जो किताबों में पढ़ा और सरकारी प्रचार-तंत्र से सुना, उसका परीक्षण वे हकीकत के बरक्स कर रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक पहल का नया दरवाजा खुला है। लेकिन हमें सचेत रहना चाहिए कि अक्सर स्वतःस्फूर्त, असंगठित, एवं नेतृत्व-विहीन आंदोलन ऐसा अवसर पैदा करने के बाद बिखराव का शिकार हो जाते हैं। ऐसे अवसरों का लाभ उठाने का दायित्व संगठित राजनीतिक दलों पर होता है। फिलहाल, इस बिंदु पर आशाजनक संकेत नहीं हैं। इसलिए कि नई पीढ़ी के आंदोलन से उपजी संभावना को उम्मीद जगाने वाले जिस एजेंडे से राजनीतिक पूंजी में तब्दील किया जा सकता है, भाजपा विरोधी दलों में वैसा करने की क्षमता या जज्बे का अभाव नजर आता है। अतः इस आंदोलन से मोदी की आभा भले धुंधली हो गई हो, लेकिन संभव है कि सत्ता तंत्र पर उनकी पकड़ कमजोर करने का रास्ता अभी भी दुरूह बना हुआ हो।

छात्रों और युवाओं के आंदोलन का अपमान

अजीत द्विवेदी

आपदा को अवसर बनाने की कला में माहिर राइटविंग के कई इन्फ्लूएंसर और हर घटनाक्रम में साजिश का पहलू खोजने वाले मोदी विरोधी दोनों एक साथ दावा कर रहे हैं कि जंतर मंतर पर हुआ आंदोलन प्रायोजित था और इस आंदोलन से सरकार को बहुत फायदा हुआ है। कहा जा रहा है कि सरकार बड़ी सफलता के साथ राममंदिर के चढ़ावा चोरी और इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का मुद्दा लोगों के जेहन से निकालने में कामयाब हो गई। सोचें, यह कितना बेसिरपैर का तर्क है?

चढ़ावा चोरी अब भी लोगों के जेहन में है और ई-20 पेट्रोल का मामला लोगों के अपने जीवन और उनकी जेब से जुड़ा है इसलिए वह भी ध्यान से नहीं निकलने वाला है। ई-20 पार्टी नाम से एक संगठन बन गई है, जिसकी ओर से आंदोलन की तैयारी की जा रही है। फिर भी अगर यहप्रायोजित आंदोलन था तो कहसकते हैं कि सरकार ने सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए गर्दन कटवाने का काम किया है।

असल में आंदोलन को प्रायोजित बताने वाले लोग छात्रों और युवाओं के इस आंदोलन का अपमान कर रहे हैं। वे छात्रों और युवाओं को सरकार या किसी और के हाथ का प्यादा साबित करने में लगे हैं। हकीकत यह है कि इस तरह की बात करने वालों को अपनी नई पीढ़ी के बारे में कोई अंदाजा नहीं है और वे उन्हें समझने का प्रयास भी नहीं कर रहे हैं। उनको पता नहीं है कि जितना बड़ा आंदोलन जंतर मंतर पर था उससे कितना बड़ा आंदोलन पूरे देश में चल रहा था। युवाओं ने इंस्टाग्राम को ही जंतर मंतर बना दिया था, जहां वे अपनी लड़ाई लड़ रहे थे।

उन्हें और उनके आंदोलन को डिमीन करने या अपमानित करने से पहले उन्हें समझने की कोशिश करनी चाहिए। यह ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें पुराने मुहावरों या मूल्यों के आधार पर नहीं समझा जा सकता है। उनके सभी बुनियादी मूल्य बदल गए हैं, उन्हें पुराने फॉर्मूले से आप पहचान नहीं पाएंगे। उनके लिए कमाई और सफलता की धारणा बदल गई है। वे बिना ऑफिस स्पेस के ऑफिस चलाते हैं, बिना पारंपरिक मुद्रा के कमाई करते हैं, उनकी सफलता उम्र और अनुभव का इंतजार नहीं करती है। जन्म के साथ मिली पहचान की धारणा को उन्होंने काफी हद तक तोड़ दिया है। इस रूप में उन्हें स्वीकार कीजिए और उन्होंने जो हासिल किया है उसका उत्सव मनाइए। इसके उलट यह प्रचार करना मूर्खता है कि सरकार ने या किसी और ने आंदोलन को प्रभावित किया। वास्तविकता यह है कि इस आंदोलन से सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। उलटे सरकार ने अपनी साख, अपनी लोकप्रियता और अपना समर्थन गंवाया है। एक पूरी पीढ़ी की स्मृतियों में दशकों तक जंतर मंतर की तस्वीरें रहेंगी। उनको याद रहेगा कि जब वे अपनी तकलीफों का समाधान मांगने जंतर मंतर पर गए थे तब सरकार ने उनके ऊपर लाठियां चलवाई थीं, आंसू गैस के गोले छोड़े थे, उनको घायल करने के लिए पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। उन्हें याद रहेगा कि उनकी रचनात्मकता और लोकप्रियता से घबराई सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया था। उनके सहयोग के लिए बढ़े हाथों को कानूनी दांव पेंच के जरिए रोका था। जंतर मंतर की तरफ बढ़ने वाले कदमों की रफ्तार रोकने के लिए कई दिन तक मेट्रो बंद रखे गए थे। फूड डिलीवरी ऐप्स को रोका गया था। जंतर मंतर के आसपास के दुकानदारों को धमकाया गया था। छात्रों के ऊपर मुकदमे किए गए थे।

ये तमाम बातें नई पीढ़ी के युवाओं की स्मृति में स्थायी रूप से दर्ज रहेंगी। जिस तरह से आजादी के बाद की पीढ़ी की यादों में आजादी की लड़ाई के मूल्य दर्ज थे उसी तरह इस पीढ़ी की यादों में पेपर लीक से लेकर पुलिस के लाठी चलाने तक की घटना दर्ज रहेगी। उनका राजनीतिक और मतदान व्यवहार इससे प्रभावित होगा। राजनीतिक पार्टियां आमतौर पर मानती हैं कि एक बार आंदोलन खत्म होने के बाद सब कुछ बदल जाता है और पुराने ढर्रे पर लौट आता है। याद करें कैसे किसान आंदोलन खत्म होने के बाद वापस लौटे किसानों ने अपनी किसान वाली अस्मिता छोड़ दी थी और घर में खूंटी पर टंगी जाति और धर्म वाली अस्मिता ओढ़ ली थी।

वैसे ही भाजपा को लग रहा होगा कि छात्र और युवा भी घर लौटेंगे तो प्रदर्शनकारी 'जेन जीÓ वाली अस्मिता खूंटी पर टांग देंगे और जाति व धर्म वाली अस्मिता ओढ़ लेंगे। हो सकता है कि कुछ युवाओं के साथ ऐसा हो लेकिन व्यापक रूप से उनके व्यवहार में बदलाव होने की संभावना कम है।

ऐसा होने के कई कारण हैं। एक, युवाओं ने बहुत ठोस कारण से आंदोलन शुरू किया था। जब उनकी पीड़ पर्वत सी हो गई थी तब वे सड़क पर उतरे थे। अभी तुरंत उनकी इस पीड़ा का समाधान नहीं होने जा रहा है। दो, डिजिटली कनेक्टेड इस दौर में उनके आंदोलन की यादें हमेशा उनके साथ रहेंगी। वे इसकी सफलता को लंबे समय तक याद रखना चाहेंगे। तीन, उनका परिवार भी किसी न किसी रूप में इस आंदोलन से जुड़ा था। इसलिए अपनी अस्मिता बदलने के लिए उनके ऊपर अब कोई बाहरी दबाव नहीं होगा। चार, संसदीय लोकतंत्र में संविधानेत्तर उपकरणों से जो बदलाव होते हैं उनसे उम्मीदें तो बहुत बड़ी होती हैं लेकिन उनके पूरा नहीं होने पर निराशा भी उतनी ही बड़ी होती है। इसलिए युवाओं का उत्साह जिन उम्मीदों से बढ़ा है अगर वो निराशा में बदलती हैं तो ज्यादा मुश्किल होगी। नेपाल में सबने देखा है कि कैसे छह महीने से भी कम समय में 'जेन जीÓ का अपनी ही बनाई सरकार से मोहभंग हुआ। सरकार को भी इसका अंदाजा है तभी उसने तात्कालिक उपाय और दीर्घावधि के लिए जरूरी उपाय एक साथ शुरू किए हैं। एक तरफ पेपर लीक रोकने के लिए 2024 में लाए गए कानून को दो साल के अंदर ही संशोधित किया जा रहा है और ज्यादा सख्त कानून बनाया जा रहा है। इसका मकसद युवाओं को तात्कालिक संतोष देना है। लेकिन साथ ही एक उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी बना कर परीक्षा व्यवस्था की संस्थागत और संरचनागत समस्याओं को दूर करने की पहल भी की गई है। सरकार ने बहुत सोचे समझे तरीके से इस कमेटी की अध्यक्षता के लिए नंदन नीलेकणी का नाम तय किया है। सरकार को पता था कि उनको बनाए जाने पर यह सवाल उठेगा कि कांग्रेस के नेता रहे व्यक्ति को सरकार ने इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है। लेकिन इसी से इस पूरी पहल की विश्वसनीयता भी बनेगी। सरकार की पहली चिंता परीक्षा व्यवस्था में सुधार के प्रयासों की विश्वसनीयता बहाल करने की है। वह नंदन नीलेकणी के नाम से होगा। सरकार को धारणा के स्तर पर इसका लाभ मिल सकता है।

परंतु अभी अगर कोई कहता है कि यह आंदोलन सरकार या किसी और द्वारा प्रायोजित किया गया था या कॉकरोच जनता पार्टी भी भाजपा का उपक्रम है या सोनम वांगचुक सरकार के एजेंट थे और इन सबको आगे कर सरकार ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी या पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण के मामले को सार्वजनिक विमर्श से हटा दिया है तो उसे वास्तविक हालात की जानकारी नहीं है। वास्तविक स्थिति यह है कि सरकार को 'जेन जीÓ के इस आंदोलन से बड़ा नुकसान हुआ है। नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री अपनी जो विरासत बना रहे थे उस पर संकट आया है। अच्छी बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी इस बात को समझ रहे हैं। वे किसी भ्रम में नहीं हैं। इसलिए इसको ठीक करने के प्रयास कर रहे हैं। कामयाबी कितनी मिलेगी, कह नहीं सकते हैं।

पप्पू यादव का विवादों भरा राजनीतिक सफर

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

राजेश रंजन, जिन्हें पप्पू यादव के नाम से जाना जाता है, बिहार की राजनीति के विवादास्पद नेताओं में गिने जाते हैं। उनका राजनीतिक जीवन जितना लंबा है, उतना ही विवादों से भी घिरा है। वे कई बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं और समय-समय पर समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), लोक जनशक्ति पार्टी तथा बाद में अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के माध्यम से राजनीति करते रहे। वर्ष 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, हालांकि पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की और बाद में संसद में कांग्रेस-नीत विपक्ष के साथ तालमेल बनाकर काम करना शुरू किया। पप्पू यादव का राजनीतिक आधार मुख्यतः सीमांचल और कोसी क्षेत्र में रहा है, वे स्वयं को गरीब और वंचितों की आवाज़ के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान राहत कार्यों के कारण भी उन्हें व्यापक चर्चा मिली। दूसरी ओर, उनके राजनीतिक जीवन के साथ कई आपराधिक मामले भी जुड़े रहे हैं। विभिन्न मामलों में उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज हुए और कुछ मामलों में उन्हें न्यायालयों का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले दोषी नहीं माना जाता। वर्ष 2015 में उन्होंने जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) का गठन किया। उद्देश्य था कि बिहार की पारंपरिक राजनीति का विकल्प प्रस्तुत करना लेकिन यह दल राज्य स्तर पर मजबूत संगठन, संसाधन और व्यापक सामाजिक गठबंधन विकसित नहीं कर सका। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय समीकरण और बड़े दलों में जद(यू), राजद, भाजपा और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही , ऐसे में जन अधिकार पार्टी को सीमित क्षेत्रों से आगे विस्तार नहीं मिल सका, यही कारण रहा कि अंततः उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया।

हाल के दिनों में संसद परिसर में पप्पू यादव ने विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर सांकेतिक नाट्य-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में वे गेरुआ वस्त्र पहनकर बैठे और राममंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। विपक्ष का कहना था कि यह सरकार से जवाब मांगने का प्रतीकात्मक विरोध था। वहीं, कई संतों, धार्मिक संगठनों और अन्य लोगों ने इसे सनातन का अपमान बताया तथा इस संबंध में पुलिस शिकायतें भी दर्ज कराई गईं।

सनातन धर्म और अन्य धर्मों में नैतिक प्रश्नः यह कहना कि केवल सनातन धर्म में ही चोरी या अनियमितता होती है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। किसी भी धर्म का मूल सिद्धांत नैतिकता, ईमानदारी और न्याय है लेकिन व्यवहारिक स्तर पर सभी समाज और धर्मों में कुछ व्यक्तियों द्वारा गलत कार्य किए जाने के उदाहरण मिलते हैं। चाहे वह हिंदू धार्मिक संस्थान हों, मुस्लिम वक्फ बोर्ड से जुड़े मामले हों, ईसाई मिशनरी संस्थाएँ हों या अन्य धार्मिक संगठन- वित्तीय अनियमितताओं के आरोप समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इसलिए किसी एक धर्म को विशेष रूप से निशाना बनाकर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना उचित नहीं माना जाता, यदि किसी धार्मिक संस्था में चंदे या दान के उपयोग को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका समाधान जांच, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक प्रदर्शन के आधार पर सनातन धर्म की दृष्टि से विचार सनातन धर्म में भगवा वस्त्र त्याग, तप, सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक माना जाता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों का उपयोग केवल राजनीतिक व्यंग्य या विरोध के लिए करता है तो अनेक श्रद्धालु इसे अनुचित मानते हैं। दूसरी ओर, लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक विरोध भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक माध्यम माना जाता है। इसलिए यह प्रश्न केवल धार्मिक नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और राजनीतिक शालीनता से भी जुड़ा है, यदि किसी प्रदर्शन से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएँ आहत होने की आशंका हो तो सार्वजनिक जीवन में संयम बरतना अधिक उपयुक्त माना जाता है। वहीं, यदि किसी पक्ष को भ्रष्टाचार या अनियमितता का आरोप लगाना हो तो उसके लिए संसद में बहस, दस्तावेज़, जांच और कानूनी प्रक्रिया अधिक प्रभावी और गरिमापूर्ण माध्यम माने जाते हैं।

आपराधिक पृष्ठभूमि और राजनीतिक नैतिकताः पप्पू यादव सहित कई नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामले रहे हैं लेकिन भारतीय संविधान के अनुसार जब तक किसी व्यक्ति को न्यायालय दोषी सिद्ध न कर दे, तब तक उसे अपराधी नहीं माना जा सकता। इसी तरह किसी भी राजनीतिक नेता को यह अधिकार है कि वह संसद में मुद्दे उठाए, बशर्ते वह संसदीय मर्यादा के भीतर हो। हालांकि राजनीतिक नैतिकता का प्रश्न अलग है। जनता अक्सर यह अपेक्षा करती है कि जनप्रतिनिधि अपने आचरण में संयम रखें, विशेषकर जब वे धार्मिक प्रतीकों या संवेदनशील मुद्दों को उठाते हैं। जन प्रतिक्रियाः इस घटना पर लोगों की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं रही। कुछ विपक्ष समर्थकों ने इसे सरकार पर व्यंग्य और जवाबदेही तय करने का प्रयास बताया। वहीं अनेक धार्मिक संगठनों, संतों तथा सामाजिक समूहों ने इसे सनातन परंपराओं और भगवा वस्त्र का राजनीतिक उपहास बताया तथा विरोध दर्ज कराया। सोशल मीडिया पर भी समर्थन और विरोध- दोनों प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं। कई लोगों का मानना है कि संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच पर इस प्रकार के प्रतीकात्मक प्रदर्शन की बजाय ठोस मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। वहीं कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं। (लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से हो सकती है , आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी। खेल-कूद में आज आपका ज्यादा मन लगेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए शुभफलदायक रहने वाला है। आपकी कार्य योजनाओं को नई गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी जिनसे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, जिससे आपको बहुत ख़ुशी होगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है, आज बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए आपको बढ़िया मौका मिलेगा। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए। जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त होने के योग बने हुए हैं। आज शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को नई गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई के मानसिक दबाव से छुटकारा मिल सकता है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे। आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं। आज आपके जीवनसाथी को करियर में सफलता मिल सकती है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपके बढ़ते खर्चे समस्या का कारण बन सकते हैं इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। आज किसी संपत्ति का क्रय विक्रय जल्दबाजी में ना करें। आज राजनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा।

तुला राशि : आज का दिन ताजगी से भरा रहने वाला है रहेगा। आज किसी करीबी व्यक्ति से काम संबंधी नाराजगी दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, आज उन पर ज्यादा ध्यान देंगे आपको ख़ुशी होगी। आज आपके घर में नन्हें मेहमान के आगमन का योग बन रहा है साथ ही धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज व्यावसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए अधिक मेहनत करने की जरूरत है। विरोधी आज आपके काम में व्यवधान डालने की कोशिश करेंगे लेकिन आप अपनी समझदारी से उससे बाहर निकल आएंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है, बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। आज छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको बढ़िया मुनाफा होगा। आज आधिकारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी।

मकर राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियों में आज सफलता मिल सकती हैं। व्यावसायिक गतिविधियों में आज सुधार आएगा।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके। आज आपको आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा।

देश भर में काली कमाई के पहाड़ जोड़ते भ्रष्टाचारी अधिकारी

मनोज कुमार अग्रवाल

बिहार की आर्थिक अपराध इकाई ने लघु सिंचाई प्रमंडल, सासाराम के एग्जिक्यूटिव इंजीनियर अरविंद कुमार चौधरी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। आर्थिक अपराध की टीम ने बुधवार सुबह उनके 6 अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। सत्यापन के दौरान यह प्रथमदृष्टया सामने आया कि अरविंद कुमार चौधरी ने 1,19,98,534 रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। एजेंसी का दावा है कि यह उनकी ज्ञात आय से करीब 85.05 प्रतिशत अधिक है। इसी आधार पर तलाशी की कार्रवाई की जा रही जांच टीमें एक साथ 6 अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं। इनमें पटना के दानापुर स्थित आदमपुर में वीनस पैराडाइज अपार्टमेंट के चौथे टावर का फ्लैट नंबर-405, आशोपुर स्थित वीनस इम्पायर का फ्लैट नंबर-1301 (यूनिट-01), मुजफ्फरपुर के महामाया स्थान स्थित मकान नंबर-66, सासाराम स्थित लघु सिंचाई प्रमंडल का कार्यपालक अभियंता कार्यालय, डेहरी ऑन सोन का सरकारी आवास और बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र के पीपराडीह गांव स्थित अरविंद कुमार का पैतृक मकान शामिल हैं।छापेमारी के दौरान सामने आई तस्वीरों में बड़ी मात्रा में कैश, सोने और चांदी के गहने, चांदी के सिक्के, कीमती घड़ियां, चांदी के बर्तन और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में नोटों की कई गड्डियां, घड़ियां और चांदी के बर्तन रखे हुए नजर आते हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में सोने के हार, कंगन, झुमके, अंगूठियां, चांदी के सिक्के और अन्य आभूषण व्यवस्थित तरीके से बॉक्स में रखे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि इन सामानों का अंतिम मूल्यांकन तलाशी पूरी होने और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।फिलहाल आर्थिक अपराध शाखा की तलाशी की कार्रवाई जारी है और अलग-अलग जगहों को खंगाला जा रहा है। आपको बता दें कि मई में भी बिहार के एक सरकारी इंजीनियर के यहां हुई छापेमारी में भारी मात्रा में संपत्ति मिली थी। भारत में भ्रष्टाचारी अधिकारियों की धर-पकड़ और उनसे अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त (राजसात) करने के लिए बेहद कड़े कानूनी प्रावधान और सक्रिय जांच एजेंसियां काम कर रही हैं। हाल ही में जुलाई 2026 में ही उत्तर प्रदेश विजिलेंस और कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा की गई बड़ी छापेमारी इस बात का जीवंत उदाहरण हैं, जहां भ्रष्ट अधिकारियों के गुप्त लॉकरों से करोड़ों रुपये नकद और किलो के हिसाब से सोना बरामद किया गया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग ने जुलाई 2026 में आगरा के पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है. विजिलेंस टीम ने उनके लखनऊ स्थित अलीगंज आवास पर छापेमारी कर करीब 35 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति का खुलासा किया है, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी जांच और कार्रवाई को तेज कर दिया गया है. उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग की छापेमारी में 1.62 करोड़ नकद मिले.लगभग 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी (बिस्किट, बार और आभूषण के रूप में) जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब 20 करोड़ आंकी गई है. लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में कई मकानों, भूखंडों (प्लॉट्स), फ्लैटों और कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत 13 करोड़ के आसपास है.बैंक खातों, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और पोस्ट ऑफिस स्कीमों में 1 करोड़ से अधिक के निवेश के दस्तावेज मिले. इसके अलावा दो लग्जरी कारें इनोवा और आइ20 और एक रिवॉल्वर भी बरामद की गई है। 300 की घूस की शिकायत से खुला राज इस विशाल साम्राज्य का पर्दाफाश साल 2020 में हुई एक छोटी सी शिकायत से शुरू हुआ था। ललित कुमार जब कानपुर में तैनात थे, तब उन पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए 300 की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। तत्कालीन परिवहन आयुक्त की अनुमति के बाद एंटी-करप्शन और विजिलेंस विभाग ने उनकी गोपनीय जांच शुरू की, जिससे उनकी आय से अधिक संपत्ति के इस बड़े मामले की परतें खुलती चली गईं. ललित कुमार अक्टूबर 2025 में आगरा से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हुए थे. इस से छह दिन पूर्व 4 जुलाई को अकोला अकोला में हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने किरण पुरुषोत्तम चौधरी सह-जिला निबंधक तथा मुद्रांक जिलाधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। उनके खिलाफ 10,000 रिश्वत लेने का मामला दर्ज होने के बाद उनके जलगांव स्थित आवास पर छापेमारी की गई, जहां से 2.94 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बरामद हुई है। किरण पुरुषोत्तम चौधरी, तत्कालीन अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार और स्टाम्प ड्यूटी अधिकारी (श्रेणी-I), अकोला महारा एसीबी ने उन्हें 26 जून को 10,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था। जलगांव स्थित घर पर छापेमारी कर 1.53 करोड़ से अधिक नकद 60 लाख के सोने के बिस्किट व आभूषण तथा अन्य कीमती धातुएं जब्त की गई हैं I लगभग 62 लाख की बेनामी संपत्ति के कागजात भी मिले हैं ऊऊलगभगायह जब्ती महाराष्ट्र के नासिक, अकोला और जलगांव की एसीबी टीमों द्वारा संयुक्त रूप से की गई है। इसी सप्ताह तेलंगाना के हैदराबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज में तैनात डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस संकीरेड्डी भीम रेड्डी को लगभग 300 करोड़ की अवैध बेनामी संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने अधिकारी के तेलंगाना और कर्नाटक स्थित कुल 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। अधिकारी के ठिकानों से 2 किलोग्राम सोने के आभूषण और 20 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। छापेमारी के दौरान उनके घर से 3.60 लाख और एक अन्य ठिकाने से 40 लाख कैश मिला। रिश्तेदारों और बेनामियों के नाम पर 50 एकड़ से अधिक कृषि भूमि, व्यावसायिक भूखंड, कई लग्जरी फ्लैट और आलीशान विला के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनके बैंक खातों में लगभग 19.91 लाख जमा पाए गए हैं। कोर्ट ने आरोपी डीएसपी भीम रेड्डी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल भेज दिया है।

25 फरवरी 2026 तीस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए खनन विभाग के उप निदेशक देवव्रत महांति की गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस की छापेमारी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।भुवनेश्वर स्थित उनके फ्लैट से 4 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गई । इसके अलावा, महांति के कार्यालय की दराज और उनके पास से 1.20 लाख रुपये नकद भुवनेश्वर के पहाल क्षेत्र में लगभग 2400 वर्गफुट में बना एक भव्य दो मंजिला मकान, करीब 130 ग्राम सोना जब्त किया है।

उधर 9 जून 2026 भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने रोड्स एंड बिल्डिंग्स विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ जे. मोहन नाइक और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी कई प्रॉपर्टीज पर एक साथ छापे मारे. उन पर आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं ज़्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप है. यह तलाशी हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों सहित लगभग 15 जगहों पर की गई. सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को सोने के बिस्किट, गहने, चांदी की चीजें, कैश और प्रॉपर्टी से जुड़े कई दस्तावेज मिले हैं. शुरुआती अनुमानों के अनुसार, जांच के दायरे में आई कुल संपत्ति की मार्केट वैल्यू 100 करोड़ रुपए से ज़्यादा हो सकती है। ये तो सिर्फ बानगी नमूना भर है देश भर में करीब एक सौ सरकारी कर्मचारी अधिकारीयों के कब्जे से आय से अधिक जुटाई गयी करोड़ों अरबों की संपति मिल रही है। एक एक अधिकारी ने सौ से तीन चार सौ करोड़ तक की अवैध संपत्ति जुटाने का काम किया है जिस से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक बढ़ गया है। केन्द्र में भारतीय जनतापार्टी की सरकार केन्द्र और विभिन्न प्रदेशों में आयी, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस का नारा तो रहा लेकिन स्थितियों में कोई विशेष अन्तर नहीं आया। इसके लिए सब कुछ डिजिटल आनलाइन करने की कवायद हुई वह चाहे टेंडर हो या अन्य जनउपयोगी सुविधाएं लेकिन राजस्व से लेकर कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है। डबल इंजन की सरकार भी इससे मुक्त नहीं कर पायी है। भ्रष्टाचार के बारे जारी होने वाली ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 182 देशों की रिपोर्ट में भारत 91 वें स्थान पर है। यह संस्था सरकार संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करती है और उसके आधार पर रैंकिंग तय करती है।यदि इस रैंक को न भी मानें तो भी आम आदमी से लेकर खास आदमी तक इससे प्रभावित है।सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भ्रष्टाचार समाप्त होने के बजाय निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है। सिर्फ जीरो टालरेंस का नारा देने से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता है। निचले स्तर से लेकर उच्चस्तर पर कदम पर भ्रष्टाचार की विषबेल फैल रही हैं। पिछले दिनों एक हाइकोर्ट जज के आवास के कमरे में आग लगने पर नोटों से भरे बोरों का जलते देखा जाना और उस पर सटीक कारवाई नहीं किया जाने से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार और यहां तक कि न्यायपालिका भी पर्याप्त गंभीर नहीं है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रमंडल खेल 2026 का भव्य समापन, 2030 की मेजबानी भारत को सौंपी गई

एजेंसी, ग्लासगो

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 11 दिनों तक चले राष्ट्रमंडल खेल 2026 का भारतीय समयानुसार सोमवार को तड़के रंगारंग समारोह के साथ समापन हो गया। इसी के साथ भारत ने आधिकारिक रूप से 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की जिम्मेदारी संभाल ली। समापन समारोह के दौरान राष्ट्रमंडल ध्वज भारत को सौंपा गया और इसके साथ ही अहमदाबाद 2030 की उलटी गिनती भी शुरू हो गई। ग्लासगो के हाइड्रो एरिना में आयोजित समारोह में स्कॉटलैंड से भारत को मेजबानी सौंपने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी ऊषा की मौजूदगी में राष्ट्रमंडल ध्वज भारत को सौंपा गया। ध्वज हस्तांतरण के बाद

भारत ने अहमदाबाद 2030 की झलक पूरी दुनिया के सामने पेश की। प्रसिद्ध गायक एवं संगीतकार शंकर महादेवन और पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति पर आधारित आकर्षक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम्' से हुई, जिसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और संगीत के माध्यम से भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को 'वसुधैव कुटुम्बकम' (संपूर्ण विश्व एक परिवार) की थीम के साथ प्रदर्शित किया गया। इसके बाद एक विशेष ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति के जरिए भारत की खेल यात्रा और अहमदाबाद में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी संस्करण की तैयारियों की झलक दिखाई गई। इस प्रस्तुति में आधुनिक खेल अवसंरचना, भारत की बढ़ती खेल शक्ति और भविष्य की योजनाओं को प्रमुखता से दिखाया गया। इससे पहले खिलाड़ियों की परेड के दौरान ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लांबोरिया ने भारतीय तिरंगा लेकर दल का नेतृत्व किया। इस परेड में राष्ट्रमंडल के सभी 74 देशों और क्षेत्रों के खिलाड़ी शामिल हुए। समापन समारोह में ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध गायिका डेल्टा गुड्रेम ने 'बॉर्न टू ट्राय' गीत प्रस्तुत किया, जबकि खेलों के सफल आयोजन में योगदान देने वाले हजारों स्वयंसेवकों को भी विशेष सम्मान दिया गया। स्कॉटलैंड के कलाकार सैंडी थॉम, एलीफेंट सेशंस और प्राइमल स्क्रीम की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। साथ ही 11 दिनों के खेलों के यादगार पलों का वीडियो प्रदर्शन भी किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए ग्लासगो 2026 आयोजन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज ब्लैक ने भारत को शुभकामनाएं देते हुए कहा, "ग्लासगो से अहमदाबाद, दो महान नदी किनारे बसे शहरों के बीच यह जिम्मेदारी सौंपते हुए हम आपको 2030 के शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।"

भारत के 13 में से आठ स्वर्ण महिलाओं के नाम, 'नारी शक्ति' बनी भारतीय अभियान की ताकत

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत के शानदार प्रदर्शन के पीछे सबसे बड़ी ताकत देश की महिला खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन रहा। भारतीय दल के 13 स्वर्ण पदकों में से आठ स्वर्ण महिला खिलाड़ियों ने जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय खेलों में अब 'नारी शक्ति' केवल भागीदारी नहीं, बल्कि सफलता की सबसे बड़ी पहचान बन चुकी है। भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, जूडो और पैरा एथलेटिक्स जैसे विभिन्न खेलों में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर पूरे अभियान की अगुवाई की। यह भारतीय खेलों में महिलाओं की बढ़ती ताकत, आत्मविश्वास और निरंतर सफलता का प्रमाण है। भारोत्तोलन में ओलंपिक चैंपियन मीराबाई चानू ने एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतकर अपनी महानता साबित की। पैरा एथलेटिक्स में शर्मिला धनखड़ ने महिलाओं की गोला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि अस्मिता डे ने इतिहास रचते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो का स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। मुक्केबाजी में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। साक्षी चौधरी, प्रीति पवार, जैसमीन लांबोरिया, प्रिया घंघास और अरुंधति

चौधरी ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय महिला मुक्केबाजी की बढ़ती ताकत का परिचय दिया। पिछले एक दशक में भारतीय महिला मुक्केबाजी ने जिस तरह प्रगति की है, उसका शानदार उदाहरण ग्लासगो में देखने को मिला। इन आठ स्वर्ण पदकों ने न केवल भारत के अभियान को नई ऊंचाई दी, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारतीय महिला खिलाड़ी अब केवल उभरती प्रतिभाएं नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार स्वर्ण जीतने वाली चैंपियन बन चुकी हैं। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व जताते हुए एक अधिकारिक बयान में कहा, "भारत के 13 स्वर्ण पदकों में से आठ महिलाओं के नाम होना बेहद गर्व की बात है। इन उपलब्धियों के पीछे खिलाड़ियों, उनके परिवारों, कोचों और सहयोगी स्टाफ की वर्षों की मेहनत और समर्पण है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर हुए बुमराह, आकिब नबी को मिला मौका

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने उनकी जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहली बार भारतीय सीनियर टेस्ट टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए उक्त जानकारी दी। बीसीसीआई के अनुसार, बुमराह

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी बाएं घुटने की चोट से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। इसी वजह से उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए उपलब्ध नहीं माना गया और चयन समिति ने उनके स्थान पर आकिब नबी को मौका दिया। आकिब नबी के लिए यह भारतीय सीनियर टीम में पहला चयन है। जम्मू-कश्मीर के इस युवा तेज गेंदबाज ने पिछले दो रणजी ट्रॉफी सत्रों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 104 विकेट अपने नाम किए हैं। इनमें 2025-26 रणजी ट्रॉफी सीजन में 60 विकेट शामिल हैं। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने अपने इतिहास में पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता। हाल ही में आकिब नबी भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे, जहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मुकाबलों में छह विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन पर मांडविया ने जताया गर्व, बोले- भारत ने बढ़ती खेल ताकत का किया प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि भारत ने सीमित खेलों वाले इस संस्करण में भी अपनी बढ़ती खेल ताकत का शानदार परिचय दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2030 में अहमदाबाद में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का शताब्दी संस्करण भारत इतिहास के सबसे यादगार आयोजनों में से एक बनाएगा। मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 का समापन शानदार चौथे स्थान के साथ किया। ग्लासगो 2026 का यह संस्करण सीमित खेलों वाला था और इसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। इसके बावजूद भारतीय दल ने बर्मिंघम 2022 में समान खेलों में जीते गए 30 पदकों की तुलना में इस बार 39 पदक जीतकर उल्लेखनीय सुधार किया है।" उन्होंने कहा, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय खेलों की गहराई और मजबूती लगातार बढ़ रही

है। तिरंगे के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाले हर खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ पर हमें गर्व है।" मांडविया ने आगे कहा, "अब जब भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी संस्करण की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, हमारा संकल्प है कि हम खेलों के इतिहास के सबसे शानदार आयोजनों में से एक का आयोजन करें।" ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक अपने नाम किए। सीमित खेलों के बावजूद भारत ने मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, जूडो, पैरा खेलों और भारोत्तोलन जैसे खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

पदक तालिका में ऑस्ट्रेलिया 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे और कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्कॉटलैंड ने भी 39 पदक जीते, लेकिन भारत से कम रजत पदक होने के कारण उसे पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में एडवांस टेक्नोफोर्ज ने निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारी मशीनरी के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी एडवांस टेक्नोफोर्ज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने कमजोर शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 95 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.05 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 94 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से थोड़ी देर में ही ये शेयर गिरकर 89.30 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.70 रुपये यानी छह प्रतिशत का नुकसान हो गया। एडवांस टेक्नोफोर्ज का 24.03 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.68 गुना सब्सक्राइब

हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.68 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 25,30,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने और उनका इंस्टॉलेशन कराने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एडवांस टेक्नोफोर्ज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत नजर आती है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1.70 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 2.70 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 4.06 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार चढ़ाव भी हुआ। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 48.24 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 51.16 करोड़ और वित्त वर्ष 2025-26 में फिसल कर 50.73 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी मामूली उतार चढ़ाव हुआ। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 11.19 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 17.51 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ थोड़ा कम होकर 17.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.44 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में घट कर 3.13 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 7.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो इस दौरान इस मोर्चे पर कंपनी ने लगातार बढ़त बनाए रखी। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 6.93 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 9.56 करोड़ रुपये हो गया।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी नजर आ रही है। कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

स्टॉक मार्केट में प्रॉपशॉप इवेंट्स की निराशाजनक शुरुआत, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

एग्जीबिशन और ट्रेड शो के लिए मॉड्यूलर एग्जीबिशन बूथ की डिजाइनिंग और निर्माण से लेकर उसका प्रबंधन तक करने वाली कंपनी प्रॉपशॉप इवेंट्स एंड एग्जीबिशंस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 69 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 55.20 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद निवेशकों को उस समय और झटका लगा, जब बाजार में प्रॉपशॉप इवेंट्स के शेयरों पर बिकवाली का दबाव बन गया। बिकवाली के दबाव के कारण थोड़ी देर में ही कंपनी के शेयर गिर कर 52.45 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए।

इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 16.55 रुपये यानी 23.99 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 28.57 करोड़ रुपये

का आईपीओ 27 से 29 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.53 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 41.4 लाख शेयर बेचे गए हैं। इनमें ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे लगभग छह करोड़ रुपये के आठ लाख शेयर भी शामिल हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतो को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। प्रॉपशॉप इवेंट्स एंड एग्जीबिशंस लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 97 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.19 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 6.32 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी 2026 तक कंपनी को 6.46 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 25.93 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 30.57 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 51.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी 2026 तक कंपनी को 59.94 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

विली वॉल्श ने इंडिगो के सीईओ का पदभार संभाला

एजेंसी, नई दिल्ली

विली वॉल्श ने देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार सोमवार को संभाला लिया। वॉल्श एक पायलट और विमानन उद्योग के अनुभवी लीडर हैं, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक का अपना कार्यकाल पूरा किया है। इंडिगो ने 31 मार्च को उन्हें अपना सीईओ नियुक्त किया था। इंडिगो ने सोमवार को एक बयान में बताया कि वॉल्श ने कंपनी के विकास एवं वैश्विक विस्तार के अगले चरण का नेतृत्व करने के लिए सीईओ का पदभार संभाल लिया है। सीईओ के रूप में

विली वॉल्श कंपनी के समग्र प्रबंधन और रणनीतिक दिशा का नेतृत्व करेंगे। वो कंपनी के वैश्विक विस्तार में तेजी लाने, परिचालन उत्कृष्टता बढ़ाने, नेटवर्क एवं वाणिज्यिक रणनीति को मजबूत करने तथा ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान देंगे। वॉल्श ने कहा, ''पिछले दो दशकों में इंडिगो ने उल्लेखनीय विरासत खड़ी की है और बहुत कम समय में दुनिया की सबसे बड़ी विमानन कंपनियों में अपनी जगह बनाई है।'' उन्होंने कहा, '' भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक बन रहा है। ऐसे में इंडिगो के सामने अपार अवसर हैं। मेरे लिए इंडिगो से जुड़ने का इससे बेहतर और अधिक उपयुक्त समय नहीं हो सकता।'' इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि विमानन क्षेत्र में विली वॉल्श का व्यापक वैश्विक अनुभव तथा उनकी परिचालन एवं रणनीतिक विशेषज्ञता कंपनी की अंतरराष्ट्रीय विस्तार रणनीति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक शुरू, रेपो रेट में बदलाव की संभावना कम

एजेंसी, मुंबई । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक यहां सोमवार को शुरू हो गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में अयोजित ये बैठक पांच अगस्त तक चलेगी। इस बैठक के निर्णय की जानकारी संजय मल्होत्रा पांच अगस्त को सुबह 10 बजे देंगे। आरबीआई ने एक्स पोस्ट में केहा कि इनसाइट्स, आकलन और आगे की राह, जल्द ही आ रही है। बैंक ने कहा कि 5 अगस्त को सुबह 10 बजे मौद्रिक नीति समिति स्टेटमेंट के लिए बने रहें। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की दूसरी बैठक जून में की थी। इसमें रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था। हालांकि 2027 में महंगाई दर के अनुमान को 4.6 फीसदी से बढ़ाकर 5.1 फीसदी कर दिया था। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट और महंगाई के जोखिमों को देखते हुए आरबीआई इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में इस बार कोई बदलाव नहीं करेगा। केंद्रीय बैंक रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रख सकता है। उल्लेखनीय है कि इस वित्त वर्ष 2026-27 में एमपीसी की कुल 6 बैठकें होनी हैं, ये एमपीसी की तीसरी बैठक है। पहली बैठक अप्रैल में हुई थी। आरबीआई ने वृद्धि दर को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 1.25 फीसदी की कटौती की थी, जो फिलहाल 5.25 फीसदी पर बरकरार है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक पेश किया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस विधेयक, 2026' को पेश किया। ये विधेयक औपनिवेशिक काल के 125 वर्ष पुराने बैंककार बही साक्ष्य अधिनियम-1891 का स्थान लेगा। सीतारमण ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच यह विधेयक पेश किया। विपक्षी सदस्य अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। इस नए कानून का मकसद बैंकिंग रिकॉर्ड्स के लिए कानूनी ढांचे को आधुनिक बनाना,

डिजिटल तौर-तरीकों को अपनाना और बैंकों को गैर-जरूरी कानूनी कार्यवाही से बचाना है। इस विधेयक में प्रस्तावित कानून में 'बैंककार बही' की परिभाषा का दायरा बढ़ाकर डिजिटल, क्लाउड-आधारित और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को भी शामिल किया गया है। ये विधेयक औपनिवेशिक दौर के 'बैंकर्स बुक्स एविडेंस एक्ट, 1891' की जगह लेगा। ये विधेयक बैंकर्स की किताबों से जुड़े सबूतों के लिए कानून बनाने और इसे आज के डिजिटल बैंकिंग तरीकों के अनुरूप बनाने, साथ ही इससे जुड़े या उससे संबंधित मामलों के लिए है। विधेयक में अदालतों के समक्ष डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में पेश करने तथा उनके प्रमाणन के लिए स्पष्ट और एकसमान नियम निर्धारित करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, बैंक अधिकारियों को बिना ठोस आधार के बार-बार अदालतों में तलब किए जाने से बचाने के लिए विशेष कारण (स्पेशल कॉज) परीक्षण का प्रावधान भी किया गया है।

विजय-रश्मिका की मच अवेटेड फिल्म राणाबाली से होगी टक्कर

सामने आई कार्थी की 'सरदार 2 की रिलीज डेट

साउथ अभिनेता कार्थी अपनी नई फिल्म सरदार 2 को लेकर चर्चाओं में हैं. साल 2022 में आए इसके पहले पार्ट को लोगों ने खूब पसंद किया था, जबकि अब इसके सीक्वल का फैंस को इंतजार है. एक्टर ने अपने फैंस को एक सरप्राइज देते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है. बड़े पर्दे पर उनकी फिल्म सरदार 2 की टक्कर मशहूर स्टार्स रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की मच अवेटेड फिल्म राणाबाली से होगी. कार्थी ने अपनी अपकमिंग फिल्म की एक छोटी सी झलक दिखाते हुए इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है. उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया. इसके साथ उन्होंने 16 सेकंड की एक क्लिप शेयर करते हुए लिखा, सरदार 2 आ रही है 10 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में. कार्थी ने एक्स पर जो पोस्ट शेयर किया है उसमें वो दमदार और भयानक लुक में नजर आ रहे हैं. उन्होंने हाथ में बंदूक पकड़ रखी है और उनके पीछे कई फीट ऊपर तक आग का गोला उठता हुआ नजर आ रहा है. फैंस को उम्मीद है कि जिस तरह का धमाका कार्थी के बैकग्राउंड में हो रहा है, वैसा ही धमाल फिल्म सिनेमाघरों में भी मचाएगी. सितंबर में बड़े पर्दे पर साउथ की दो फिल्मों के बीच महाक्लैश तय है. रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की फिल्म राणाबाली की रिलीज डेट का मेकर्स ने पहले ही ऐलान कर दिया था. दोनों स्टार्स की फिल्म बड़े पर्दे पर सरदार 2 की रिलीज के अगली दिन यानी 11 सितंबर को ही रिलीज होने वाली है. गौरतलब है कि शादी के बंध में बंधने के बाद ये पहला मौका होगा जब रश्मिका और विजय स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगे. बता दें कि इस स्टार कपल ने फरवरी 2026 में ही सात फेरे लिए थे. सरदार 2 में कार्थी के साथ राजिशा विजयन, एसजे सूर्या, मालविका मोहनन और आशिका रंगनाथ जैसे कलाकार नजर आएंगे. इस फिल्म का डायरेक्शन पी.एस. मिथ्रन ने किया है. इसे प्रिंस पिक्चर्स और आईवीवाय एंटरटेनमेंट ने मिलकर प्रोड्यूस किया है. जबकि इसकी कहानी रत्ना कुमार, आशामीरा अय्यप्पन और विग्नेश मुनियांडी ने मिलकर लिखी है. साउथ सिनेमा के ट्रेड एक्सपर्ट्स की मानें तो सितंबर का यह हफ्ता बॉक्स ऑफिस के सारे पुराने रिकॉर्ड्स ध्वस्त करने का दम रखता है। कार्थी की फिल्म 'सरदार 2' की बात करें तो इसके पहले भाग ने न सिर्फ तमिल बल्कि तेलुगु और हिंदी भाषी क्षेत्रों में भी शानदार कमाई की थी। पी.एस. मिथ्रन के निर्देशन में बन रही इस जासूसी थ्रिलर फिल्म का बजट पहले भाग की तुलना में दोगुना बताया जा रहा है। फिल्म में हाई-ऑक्टेन स्टंट्स और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वीएफएक्स (VFX) का इस्तेमाल किया गया है। कहानी इस बार एक नए मिशन और वैश्विक स्तर के खतरे पर आधारित होगी, जिसमें कार्थी का किरदार और भी ज्यादा खतरनाक और रहस्यमयी नजर आने वाला है।दूसरी तरफ, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की जोड़ी का बड़े पर्दे पर वापस आना अपने आप में एक बहुत बड़ी यूएसपी (USP) है। 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी फिल्मों में इस जोड़ी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। लेकिन अब असल जिंदगी में शादी के पवित्र बंधन में बंधने के बाद, यह पहला मौका होगा जब वे एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। फैंस इस बात को लेकर बेहद उत्साहित हैं कि क्या उनकी ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग इस पारिवारिक ड्रामा और एक्शन से भरपूर फिल्म 'राणाबाली' में भी वही जादू बिखेर पाएगी। इस फिल्म का संगीत और भव्य लोकेशंस पहले से ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं।थिएटर मालिकों और वितरकों (Distributors) के लिए यह क्लैश एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों लेकर आया है। दोनों ही फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स रिकॉर्ड कीमतों पर बेचे गए हैं। स्क्रीन काउंट को लेकर दोनों मेकर्स के बीच अभी से ही अंदरूनी खींचतान शुरू हो चुकी है, क्योंकि दोनों ही फिल्में बड़े स्क्रीन और आईमैक्स (IMAX) फॉर्मेट के लिए उपयुक्त हैं। शुरुआत में 'सरदार 2' को एडवांस बुकिंग में फायदा मिल सकता है, क्योंकि यह एक स्थापित फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। हालांकि, 'राणाबाली' की स्टार पावर और कपल का क्रेज इसे लंबी रेस का घोड़ा बना सकता है। कुल मिलाकर, सिनेमाघरों में इस बार कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

बॉक्स ऑफिस पर स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे का जलवा, दो दिन में 100 करोड़ क्लब में शामिल

सिनेमाघरों में इस सप्ताह हॉलीवुड फिल्म स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे का दबदबा देखने को मिल रहा है। टॉम हॉलैंड अभिनीत इस सुपरहीरो फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन भी शानदार प्रदर्शन करते हुए महज दो दिनों में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। दूसरी ओर बॉलीवुड फिल्म भाई तेरा स्टार है दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम रही। वहीं तमिल फिल्म जन नायकन और हॉलीवुड फिल्म द ओडिसी ने भी बॉक्स ऑफिस पर स्थिर प्रदर्शन जारी रखा है। स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे ने दूसरे दिन 49.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इससे पहले पहले दिन फिल्म ने 60.60 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग दर्ज की थी। दो दिनों में फिल्म की कुल कमाई 109.95 करोड़ रुपये पहुंच गई है। डेस्टिन डेनियल क्रेटन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में टॉम हॉलैंड एक बार फिर लोकप्रिय सुपरहीरो स्पाइडर-मैन की भूमिका निभा रहे हैं। भारत में यह फिल्म हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में प्रदर्शित की गई है, जिसका लाभ इसे विभिन्न क्षेत्रों से मिल रहा है। वहीं बॉलीवुड फिल्म भाई तेरा स्टार है बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती नजर आ रही है। राघव जुयाल अभिनीत इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन 25 लाख रुपये का कारोबार किया। पहले दिन भी फिल्म की कमाई 25 लाख रुपये रही थी। इस तरह दो दिनों में इसका कुल संग्रह केवल 50 लाख रुपये तक पहुंच पाया है। विवेक बी. अग्रवाल के निर्देशन में बनी यह फिल्म स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे की जबरदस्त लोकप्रियता के सामने टिक नहीं सकी। उधर, तमिल अभिनेता और मुख्यमंत्री विजय की बताई जा रही अंतिम फिल्म जन नायकन का प्रदर्शन भी मजबूत बना हुआ है। फिल्म ने रिलीज के नौवें दिन 3.55 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे एक दिन पहले इसका कारोबार 3.98 करोड़ रुपये रहा था। अब तक फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस संग्रह 157.10 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म को सबसे अधिक सफलता तमिलनाडु में मिल रही है, जहां दर्शकों का उत्साह लगातार बना हुआ है। हॉलीवुड की बहुचर्चित फिल्म द ओडिसी भी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छी कमाई कर रही है। रिलीज के पंद्रहवें दिन फिल्म ने 3.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि चौदहवें दिन इसकी कमाई 2.75 करोड़ रुपये रही थी। इसके साथ ही फिल्म का कुल संग्रह 138.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म में मैट डेमन, टॉम हॉलैंड और एनी हैथवे मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म कारोबार के जानकारों का मानना है कि आने वाले सप्ताहांत में स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे की कमाई में और तेजी आ सकती है। वहीं अन्य फिल्मों के सामने इस हॉलीवुड फिल्म की लोकप्रियता बड़ी चुनौती बनी हुई है। फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहीरो फिल्म का दबदबा साफ दिखाई दे रहा है, जबकि क्षेत्रीय और अन्य हिंदी फिल्मों को दर्शकों का सीमित समर्थन मिल रहा है।

पोल्का डॉट प्रिंटेड ड्रेस में नितांशी गोयल का दिलकश अंदाज ; तस्वीरें देख फैंस बोले- फूल कुमारी मैडम

फिल्म लापता लेडीज की भोली-भाली फूल कुमारी तो याद होगी? यह भूमिका अभिनेत्री नितांशी गोयल ने निभाई। मूवी में सादगी वाले अंदाज में नजर आईं एक्ट्रेस फिलहाल अपने स्टाइलिश फोटोशूट को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें उनका बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। नितांशी गोयल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर किए हैं। वे ब्राउन कलर की मिनी ड्रेस पहनी दिख रही हैं। उन्होंने अपना लुक सिंपल रखा है, इसके बावजूद बेहद आकर्षक लग रही हैं। नितांशी गोयल की तस्वीरें देख फैंस उनके लुक की तारीफें कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, फूल मैडम। एक अन्य यूजर ने लिखा, गॉर्जियस। एक यूजर ने लिखा, इस प्यारी लड़की की शानदार तस्वीरों के साथ जुलाई ने इस अंदाज में विदा ली है। लापता लेडीज में अपनी भूमिका के लिए नितांशी को खूब तारीफें मिली थीं। उन्हें इसके लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का आईफा पुरस्कार भी मिला था। नितांशी गोयल उत्तर प्रदेश के नोएडा से ताल्लुक रखती हैं। उनका जन्म 12 जून 2007 को नोएडा में हुआ। नितांशी ने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी। वे कई फैशन शो और विज्ञापनों में नजर आईं।

सीमा के शो से बाहर होने के बाद काफी टूट गए थे सोहेल

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपने भाई सोहेल खान से मिलने के लिए रियलिटी शो द अलायंस के सेट पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अपने खास अंदाज में पैपराजी को पोज दिए। सलमान खान इस मौके पर डेनिम की शर्ट, काली पैंट और एक स्टाइलिश काउबॉय हैट में बेहद कूल नजर आ रहे थे। उनकी यह सरप्राइज विजिट उस वक्त हुई जब सोहेल खान शो में एक भावनात्मक पल से गुजर रहे थे, जिसने सभी की निगाहें उन पर टिका दीं। दरअसल, सोहेल द अलायंस में अपनी एक्स-वाइफ सीमा सजदेह के साथ वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट बनकर आए थे। यह शो रिश्तों की जटिलताओं और पूर्व-भागीदारों के बीच की केमिस्ट्री पर आधारित था। सीमा के शो से बाहर होने के बाद सोहेल काफी टूट गए थे। उनका कहना था कि वे नहीं चाहते थे कि सीमा शो से जाए, क्योंकि उन्हें लगा कि शायद अब उन्हें कभी साथ में इतना लंबा और बिना रुकावट वाला समय बिताने का मौका नहीं मिलेगा। यह पल उनके लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक था, जो कैमरे पर साफ दिखाई दे रहा था। शो के दौरान, जब सिस्टम ने सभी एलीस से अपनी नई टीमों के नाम बताने को कहा, तो टीम किंग में अली, अगु और रुही एक साथ थे। वॉरियर टीम में अरसलान, बाली और कशिश ने अपनी जगह बनाई। वहीं, लीजेंड टीम में मिनी, निती और वंश थे, जबकि जैद, सोहेल और पायल डेजी के साथ थे। हालांकि, डेजी शाह और सीमा सजदेह किसी भी टीम का हिस्सा नहीं बन पाए थे, और उनका भविष्य पूरी तरह से कुशाल टंडन के हाथ में चला गया था, जिसे दोनों में से किसी एक को बचाना और दूसरे को बाहर करना था। इस मुश्किल घड़ी में, अपनी किस्मत को मानते हुए, सीमा ने एक बड़ा दिल दिखाते हुए डेजी को बचाने का फैसला किया। उन्होंने डेजी से कहा कि तुम्हें ही रुकना चाहिए, और फिर सोहेल से कहा, अब मैं अपने बच्चों के पास घर वापस जाने के लिए तैयार हूं। सीमा के ये शब्द सुनकर सोहेल काफी भावुक हो गए थे। उन्होंने सीमा को रोकने की कोशिश करते हुए कहा, मुझे लगता है कि तुम्हें रुकना चाहिए, क्योंकि ये जो 24 घंटे हमें साथ बिताने को मिल रहे हैं, पता नहीं ये दोबारा मिलेंगे या नहीं। सोहेल के इन शब्दों में उनके अधूरे रिश्ते का दर्द और सीमा के साथ बिताए उन पलों की अहमियत साफ झलक रही थी। इस गलत मोड़ और शो के प्रारूप से परेशान होकर सोहेल ने सिस्टम पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, सिस्टम कब से चैलेंजर सैडिस्टिक होने लगा? यह उनके गुस्से और निराशा को दर्शाता था।

गुड लक जेरी के लिए जाह्नवी कपूर ने की थी विशेष तैयारी

बॉलीवुड फिल्म गुड लक जेरी को रिलीज हुए चार साल पूरे हो गए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अभिनीत इस फिल्म में जाह्नवी ने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था, विशेषकर बिहार की एक साधारण युवती जेरी के किरदार को उन्होंने पर्दे पर उतारा था। इस किरदार को जीवंत करने के लिए जाह्नवी ने बिहारी लहजे पर गहनता से काम किया था, जिसके लिए उन्होंने विशेष तैयारी की थी। जेरी की भूमिका को वास्तविक रूप देने के लिए जाह्नवी कपूर ने न केवल भाषा विशेषज्ञों की मदद ली, बल्कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले कई वर्कशॉप्स में भी हिस्सा लिया। इन वर्कशॉप्स का मुख्य उद्देश्य उनके बिहारी उच्चारण और बोलने के अंदाज़ को निखारना था। जाह्नवी ने इस चुनौती को पूरी लगन और समर्पण के साथ स्वीकार किया, और उनकी यह मेहनत फिल्म के हर संवाद में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनके सहज प्रवाह और लहजे पर उनकी पकड़ की खूब सराहना की थी। सिर्फ भाषा ही नहीं, जाह्नवी ने जेरी की मासूमियत, उसके संघर्ष और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार न मानने वाले जज़्बे को भी बड़ी सहजता के साथ प्रस्तुत किया था। उनके अभिनय में एक ऐसी सरलता थी, जिसने जेरी को एक सामान्य लड़की से कहीं अधिक रिलाटेबल बना दिया। फिल्म की रिलीज़ के चार साल बाद भी, यह किरदार आज भी दर्शकों के मन में ताजा है और

जाह्नवी कपूर के करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। यह फिल्म इस बात का एक और प्रमाण है कि जाह्नवी किसी भी चुनौतीपूर्ण भूमिका में पूरी तरह ढलने के लिए कितनी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ तैयारी करती हैं। गुड लक जेरी ने उनके अभिनय कौशल की गहराई को उजागर किया और उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया जो न केवल ग्लैमरस भूमिकाएं निभा सकती हैं, बल्कि कठिन और यथार्थवादी किरदारों में भी जान डाल सकती हैं।

बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, बढ़ेगी उनकी ताकत

बच्चों की हड्डियों का विकास उनके समग्र स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम और विटामिन-डी जरूरी पोषक तत्व माने जाते हैं। इसके साथ ही नियमित व्यायाम भी जरूरी है। इसके अलावा खान-पान और सूरज की रोशनी भी हड्डियों के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने बच्चों की हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं। कैल्शियम हड्डियों के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। बच्चों को दूध, दही और पनीर जैसे डेयरी उत्पादों के साथ हरी सब्जियां, बादाम और संतरे का रस देना चाहिए। इनसे बच्चों को कैल्शियम और अन्य जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। इसके अलावा पालक और ब्रोकली जैसी हरी सब्जियां भी कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं। इनसे बच्चों को मजबूत हड्डियां मिल सकती हैं और उनका समग्र स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। विटामिन-डी कैल्शियम को शरीर द्वारा

बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करता है। इसके लिए बच्चों को सुबह की धूप में कुछ मिनट बैठाना चाहिए, ताकि उनका शरीर खुद ही विटामिन-डी बना सके। इसके अलावा दूध जैसे खाद्य पदार्थ भी विटामिन-डी के अच्छे स्रोत हैं। इनसे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती हैं और उनका समग्र स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। धूप में घूमने से न केवल विटामिन-डी मिलता है, बल्कि यह मन को भी शांत रखता है। बच्चे जितना ज्यादा सक्रिय रहेंगे, उनकी हड्डियां उतनी ही मजबूत होंगी। उन्हें रोजाना दौड़ना, कूदना, साइकिल चलाना या कोई खेल खेलने के लिए प्रेरित करें। इससे उनकी मांसपेशियां भी मजबूत होंगी और हड्डियों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा योग और स्ट्रेचिंग जैसे हल्के व्यायाम भी हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। बच्चों को फिट रखने के लिए इन सभी गतिविधियों को उनकी दिनचर्या में शामिल करना जरूरी है। सूरज की रोशनी से मिलने वाला प्राकृतिक विटामिन-डी हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए, बच्चों को रोजाना थोड़ी देर धूप में बैठने दें, खासकर सुबह की धूप बहुत फायदेमंद होती है। इससे न केवल विटामिन-डी मिलता है, बल्कि यह मन को भी शांत रखता है। बच्चों को पार्क या बालकनी में खेलने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वे प्राकृतिक रूप से विटामिन-डी प्राप्त कर सकें और स्वस्थ रहें। नींद हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है, खासकर बच्चों के लिए। अच्छी नींद लेने से शरीर खुद को ठीक कर पाता है और हड्डियों का विकास भी बेहतर होता है। बच्चों को सोने का नियमित समय तय करें, ताकि वे अच्छी तरह आराम कर सकें। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने बच्चों की हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं और उनका समग्र स्वास्थ्य भी बेहतर बना सकते हैं।

BRIFF NEWS

Rs 160 crore transferred to affected families, says CM Sarma

Guwahati(Agency) : Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma on Monday announced that nearly Rs 160 crore has been transferred directly to the bank accounts of families affected by the recent floods, providing immediate financial relief to thousands of households across the state. The Chief Minister said the state government has credited an interim assistance of Rs 15,000 each to nearly 75,000 of the worst-affected families in four flood-hit districts. The amount has been transferred through the Direct Benefit Transfer (DBT) mechanism to ensure prompt financial support reaches beneficiaries without delay. CM Sarma said the financial assistance is aimed at helping affected families begin rebuilding their lives while the government undertakes a comprehensive assessment of the damage to determine final compensation. "This morning, I transferred the promised interim assistance of Rs 15,000 each to nearly 75,000 of the worst-hit households across the four districts, along with the state subsidy under the PM Surya Ghar Yojana to those eligible," the Chief Minister said in a post on social media.

Gujarat police invoke GUJCTOC against liquor smuggling syndicate, two held

Valsad (Agency): The Gujarat Police have invoked the stringent Gujarat Control of Terrorism and Organised Crime Act, 2015 (GUJCTOC), against an alleged six-member organised crime syndicate accused of running a long-standing liquor smuggling network across the state. According to a police statement, the action was taken to dismantle what investigators describe as an organised criminal network involved in the large-scale illegal transportation and distribution of liquor across Gujarat. The case has been registered at Pardi Police Station under Sections 3(1)(2), 3(2) and 3(4) of the GUJCTOC Act. Acting on specific instructions, the complaint was filed by A.U. Roz, Police Inspector of the Local Crime Branch, while the investigation is being led by B.N. Dave, Deputy Superintendent of Police, Vapi Division. Police said the syndicate had allegedly operated for several years with members assisting one another in transporting large quantities of IMFL into Gujarat from neighbouring areas and establishing an extensive illegal supply network.

Two cops arrested in K'taka's custodial death case; CID probe likely

Vijayanagara(Agency): Two police personnel attached to the Hagaribommanahalli Police Station in Karnataka's Vijayanagara district were arrested on Monday in connection with the alleged custodial death of a 35-year-old construction labourer, Khaleel, who reportedly died after being assaulted inside the police station. The case has sparked public outrage, with the district police registering an FIR against the accused officers and a CID probe likely to be ordered. The arrested policemen have been identified as Head Constable Ittagi Raghavendra and Police Constable Venkatesh. They were taken into custody after an FIR was

registered on the complaint of the deceased's wife, Shainaz, alleging that her husband was assaulted by the police, resulting in his death. According to the police, Khaleel, a native of Harapanahalli who was working as a construction labourer and residing with his family in Hagaribommanahalli, was brought to the police station late on last Sunday night following a domestic dispute with his wife. Shainaz had approached the police after the couple reportedly quarrelled on a public road. Family members have alleged that after Khaleel was taken into custody, he was brutally beaten by the policemen with lathis and rods inside the police station. They claimed he died due to the assault and alleged that the police initially attempted to portray the death as a result of an epileptic seizure. However, relatives said blood was seen oozing from Khaleel's head, nose and ears and that multiple injury marks were visible on his body, raising serious suspicion of custodial torture. The complaint lodged by Shainaz led Vijayanagara Superintendent of Police S.

Tata Steel Triumphs in Chess and Table Tennis at Tata Group Inter-Company Championship in Mumbai

Mumbai/Jamshedpur : Tata Steel delivered a strong performance at the Tata Group Inter-Company Championship, held from July 31 to August 2 in Mumbai, emerging victorious in both the Chess and Table Tennis events.

The championship witnessed participation from eight Tata Group companies, with teams competing in a spirit of sportsmanship, camaraderie and healthy competition.

Kerala's political paradox: The helicopter hasn't changed, the govt in cockpit has

Thiruvananthapuram (Agency): Kerala politics has found its newest protagonist, the helicopter. Not because helicopters are new to Kerala's political landscape. Quite the contrary. The government's monthly helicopter lease itself was introduced during the decade-long Pinarayi Vijayan administration (2016-2026), with the stated objective of enabling rapid response during natural disasters, anti-Maoist operations and other emergencies. What has changed is the politics surrounding it. The latest controversy over Chief Minister V.D. Satheesan's helicopter journey to Kochi has once again exposed an old Kerala political tradition, arguments that often change with the side of the aisle. The Congress maintains that the Chief Minister's visit was an official tour during which he also visited his ailing father-in-law in hospital. The CPI(M), however, has questioned whether a helicopter meant for emergency use should have been deployed in the circumstances, especially at a time when large parts of Kerala are battling floods. Yet the political debate has quickly moved beyond the journey itself. Social media has been awash with posts from both sides, many recalling that it was the Pinarayi Vijayan government that first opted for a leased helicopter despite sharp criticism from the then Opposition. The same helicopter that was defended as an administrative necessity during the Left's tenure is today being projected by many in the CPI(M) ecosystem as an example of governmental excess under the new administration. It is a role reversal that instantly brings back one of the most memorable political observations made by the now late Oommen Chandy, who was at the helm of the state on two occasions in the past. "In Kerala, the issue is often not what is being done, but who is doing it," was Chandy's stock statement. Few political remarks have survived the test of time as convincingly. Throughout his years in office and in the Opposition, Chandy often accused the Left of opposing ideas until it eventually embraced them itself. Whether it was tractors, computers, private investment or administrative reforms, he would often argue that the objection was rarely about the policy, it was about who implemented it. Today, the helicopter appears to have joined that list. The machine has not changed.

Assam govt to rope in IIT Guwahati experts to check river erosion

Guwahati (Agency): Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma on Monday said the state government will rope in experts from the Indian Institute of Technology Guwahati (IIT-Guwahati) to prepare a scientific and long-term strategy to tackle the recurring problem of riverbank erosion caused by the Brahmaputra. Addressing the issue, CM Sarma said erosion along the Brahmaputra remains one of Assam's biggest geographical and developmental challenges, with vast stretches of land being washed away every year, affecting thousands of families and threatening critical infrastructure. "We will soon hold a meeting with experts from IIT-Guwahati to identify a permanent and scientific solution to the recurring erosion problem. Our teams are already working on mitigation measures, but we need a long-term strategy backed by modern technology and research," the Chief Minister said. CM Sarma's remarks came after he reviewed the erosion situation in Dibrugarh district, where he visited several vulnerable locations, including Chabua, Balijan, Pukhurijan, Dinjan and Rahmoria, and interacted with residents who have suffered extensive land loss due to the shifting course of the Brahmaputra. He said the government is committed to protecting erosion-prone areas by adopting advanced engineering techniques and scientific interventions instead of relying solely on temporary measures. According to the Chief Minister, the proposed collaboration with IIT-Guwahati will help formulate sustainable solutions that can significantly reduce the long-term impact of erosion on communities living along the Brahmaputra. The scientific study will complement the state government's ongoing Rs 90-crore erosion mitigation project, which aims to strengthen vulnerable riverbanks and minimise the loss of agricultural land, homes and public infrastructure. During his interaction with affected residents, CM Sarma assured them that the government is closely monitoring the situation and will continue to provide all necessary assistance while pursuing permanent protective measures. Riverbank erosion remains a recurring challenge in Assam, particularly during the monsoon season, with several districts along the Brahmaputra witnessing large-scale land loss every year. The state government has been focusing on combining immediate protection works with long-term scientific planning .

J&K govt sanctions Rs 10.95 crore for preservation, upgradation of religious sites in Anantnag

Srinagar (Agency): The Jammu and Kashmir government said on Monday that it has approved two projects worth Rs 10.95 crore for the preservation and upgradation of important religious sites in Anantnag district. Office of the J&K Chief Minister, Omar Abdullah, said on X, "Government of Jammu & Kashmir has approved two projects worth Rs 10.95 crore for the preservation and upgradation of important religious sites in Anantnag. Rs 5.03 crore has been approved for the restoration and renovation of Ziyarat Sharief Khiram, while Rs 5.92 crore has been sanctioned for the repair and renovation of Shiv Mandir, Thajiwara, Bijbehara." "These projects will preserve the sanctity and heritage of both

religious places while improving facilities for devotees," the CMO said. While Muslim religious sites need upgradation, it is the Hindu religious sites in the Valley whose preservation and upgradation have become a serious challenge for the authorities. The Hindu sites have been lying unattended for over 36 years after the forced exodus of the Kashmiri Pandit community due to terrorism. The preservation of Hindu religious and cultural heritage in Kashmir involves temple restoration, legal protections against land encroachment, and community-led revival efforts. Revival and preservation efforts include government-funded renovation projects, court-mandated safeguards for unattended sites, and the reopening of historic places of worship. Monday's decision by the Jammu and Kashmir government to provide Rs 5.92 crore for the repair and renovation of the Shiv Mandir at Thajiwara in Bijbehara is another step towards the objective of preservation of Hindu religious sites. The High Court of Jammu & Kashmir and Ladakh ordered the administration to safeguard unattended Hindu temples and shrines from land grabbers and encroachments. Local leadership has discussed introducing dedicated legislation to protect the properties and religious sites of the displaced community. Dozens of long-closed sites, such as the 300-year-old Anandishar Temple in Srinagar and the Shiral Nath Temple, have resumed regular rituals and prayers. For decades following the migration of Kashmiri Pandits in the 1990s, many local Muslim neighbours voluntarily acted as caretakers and cleaners to protect temple structures from decay.